



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-23022021-225356
CG-DL-E-23022021-225356

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 22, 2021/फाल्गुन 3, 1942

No. 83]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 22, 2021/PHALGUNA 3, 1942

भारतीय उपचर्या परिषद् अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2021

फा.सं. 11-1/2019-आईएनसी.—समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) की धारा 16(1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, यथा :-

1. लघु शीर्षक और प्रवर्तन

i. ये विनियम भारतीय उपचर्या परिषद् (पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग — आवासीय कार्यक्रम), विनियम 2020 कहे जाएंगे।

ii. ये विनियम भारत के राजपत्र में इनकी अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएं

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- 'अधिनियम' का अभिप्राय समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) से है;
- 'परिषद्' का अभिप्राय अधिनियम के तहत गठित भारतीय उपचर्या परिषद् से है;
- 'एसएनआरसी' का अभिप्राय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किसी भी नाम से गठित राज्य उपचर्या एवं प्रसाविका पंजीकरण परिषद् से है;
- 'आरएन एंड आरएम' का अभिप्राय एक पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम) से है और एक ऐसे नर्स को दर्शाता है जिसने मान्यता प्राप्त नर्सिंग स्नातक (बी.एससी. नर्सिंग) या डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) पाठ्यक्रम, जैसा कि परिषद् द्वारा निर्धारित किया गया हो, सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो और किसी एक एसएनआरसी में पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका के रूप में पंजीकृत हो;

- v. 'नर्स पंजीकरण एवं ट्रेकिंग प्रणाली (एनआरटीएस)' का अभिप्राय भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), भारत सरकार के सहयोग से विकसित सॉफ्टवेयर प्रणाली से है, जिसे भारतीय उपचर्या रजिस्टर के रखरखाव व संचालन के लिये एनआईसी द्वारा होस्ट किया गया है। इसमें पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम)/पंजीकृत सहायक नर्स मिडवाइफ (आरएनएम)/पंजीकृत महिला स्वास्थ्य परिदर्शिका (आरएलएचवी) के आंकड़ों के संग्रह के लिये 'आधार' बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पर आधारित मानकीकृत प्रारूप हैं;
- vi. 'एनयूआईडी' का अभिप्राय एनआरटीएस द्वारा प्रत्याशी को दिया जाने वाला नर्सिंग यूनिट आइडेंटिफिकेशन नम्बर से है;
- vii. 'जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम)' का अभिप्राय परिषद् द्वारा अधिनियम की धारा 10 के तहत स्वीकृत तथा अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में शामिल डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी प्रशिक्षण से है।

पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम 2020

I. प्रस्तावना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति दस्तावेज (एनएचपी, 2017) में तृतीयक देखभाल सेवाओं का विस्तार करने, विशेषज्ञ नर्स तैयार करने और नर्सों के लिये नैदानिक प्रशिक्षण के मानकीकरण पर जोर दिया गया है। इसके प्रत्युत्तर स्वरूप, परिषद् ने मौजूदा विशिष्ट नर्सिंग कार्यक्रम को योग्यता पर आधारित प्रशिक्षण दृष्टिकोण अपनाते हुए एक-वर्षीय पोस्ट बेसिक डिप्लोमा आवासीय कार्यक्रमों के रूप में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। नियोनेटल नर्सिंग, संशोधित दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए परिषद् द्वारा विकसित किया गया एक ऐसा नया विशिष्ट पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है जो नवजात शिशुओं – जिनकी नैदानिक परीक्षण, उपचार और देखभाल की आवश्यकताएं जटिल और गहन होती हैं – को विभिन्न चिकित्सीय तथा शल्यचिकित्सीय परिस्थितियों में सक्षम देखभाल प्रदान कर सकें।

भारत दुनिया में नवजात स्वास्थ्य चुनौती का सबसे अधिक सामना कर रहा है। भारत सरकार तथा व्यावसायिक संगठनों के शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में कमी लाने के उद्देश्य पर लक्षित सम्मिलित प्रयासों के फलस्वरूप देश नवजात उत्तरजीविता क्रांति की दहलीज पर खड़ा है। गत दो दशक में, नवजात शिशुओं की विशिष्ट देखभाल सुविधाओं का तेजी से विकास हुआ है। शैक्षणिक संस्थाओं के साथ-साथ कॉर्पोरेट अस्पतालों में बहुत सी द्वितीय स्तर की विशिष्ट देखभाल इकाइयां और नवजात गहन देखभाल इकाइयां (एनआईसीयू) स्थापित की गई हैं।

नवजात देखभाल में उपरोक्त क्रांति के फलस्वरूप पर्याप्त संख्या में नियोनेटल नर्सिंग में विशेष रूप से प्रशिक्षित नर्सों की आवश्यकता आन पड़ी है, जो नियोनेटल स्पेशियलिस्ट नर्सों के रूप में कार्य करेंगी। इसलिए, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिये इस तरह की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करना आवश्यक है। इस संदर्भ में, तृतीयक देखभाल संस्थानों के लिये नवजात शिशुओं को सुरक्षित, सक्षम और करुणामयी देखभाल प्रदान करने वाले सुपर-स्पेशियलिटी नर्स तैयार करने के लिये शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करना या स्थापित करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

II. दर्शन

परिषद् का मानना है कि ऐसे पंजीकृत नर्सों, जो सामान्यतः विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हैं, को अभ्यास के विभिन्न नये विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करने के लिये विशेषज्ञ नर्सों के रूप में आगे प्रशिक्षित होने की आवश्यकता है और यह प्रशिक्षण योग्यता पर आधारित होना चाहिये। नियोनेटल नर्सिंग, विशेषज्ञ नर्सों की जरूरत वाला एक ऐसा क्षेत्र है। नर्सों की बढ़ती भूमिकाओं तथा तकनीकी में हुई प्रगति के मद्देनजर, अभ्यास के अपने दायरे में नवजात देखभाल में प्रभावी भागीदारी के लिये उन्हें तैयार करने के लिये अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी।

III. पाठ्यक्रम संरचना

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा प्रशिक्षण एक-वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है और इस पाठ्यक्रम की अवधारणा में अभ्यास के अलावा मूलभूत लघु पाठ्यक्रम और विशिष्ट नर्सिंग अभ्यासों के लिये बृहद विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्मिलित किये गये हैं।

व्यावसायिक कुशलता, संवाद तथा पैतृक प्रशिक्षण, नैदानिक नेतृत्व तथा संसाधन प्रबंधन, और साक्ष्य आधारित तथा अनुप्रयुक्त शोध, नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास के मूलभूत लघु पाठ्यक्रम हैं, जिनका लक्ष्य छात्रों को जवाबदेह, समर्पित, सुरक्षित तथा सक्षम विशेषज्ञ नर्स की तरह कार्य करने की आवश्यक जानकारी, दृष्टिकोण और दक्षता प्रदान करना है। प्रमुख विशिष्ट पाठ्यक्रमों को नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-I और नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-II के तहत सुनियोजित किया गया है।

स्पेशियलिटी नर्सिंग-I में एप्लाइड एनाटॉमी तथा फिजियोलॉजी, भ्रूणविज्ञान, औषधविज्ञान, आनुवांशिकी, सामुदायिक स्वास्थ्य, प्रसूति, नियोनेटल एडवांस लाइफ सपोर्ट शामिल हैं। स्पेशियलिटी नर्सिंग-II में जन्म के समय सामान्य तथा कम वजन वाले शिशुओं को आहार देना, एनआईसीयू में संक्रमण रोकथाम के लिये नीतियां तथा प्रक्रियाएं, नवजात शिशुओं की सामान्य चिकित्सीय तथा शल्य-चिकित्सीय समस्याओं का नर्सिंग प्रबंधन, और नवजात शिशुओं पर की जाने वाली विभिन्न जांच तथा प्रक्रियाओं में नियोनेटल नर्सों की भूमिका शामिल हैं। नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग आवासीय कार्यक्रम के लिये पाठ्यक्रम की संरचना निम्नलिखित चित्र-1 में दर्शाई गई है।

पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम

नियोनेटल नर्सिंग के मूल पाठ्यक्रम

स्पेशियलिटी (नियोनेटल) नर्सिंग पाठ्यक्रम



चित्र-1. नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

IV. उद्देश्य/अभिप्राय और कार्यनिर्वाह क्षमताएं

उद्देश्य/अभिप्राय

इस कार्यक्रम को विशेष कौशल, जानकारी और प्रवृत्ति वाले ऐसे नर्स तैयार करने के लिये बनाया गया है जो नवजात विकारों से पीड़ित नवजात शिशुओं को गुणवत्तापरक देखभाल प्रदान कर सकें। इसका उद्देश्य तकनीकी रूप से योग्य और प्रशिक्षित ऐसे विशेषज्ञ नर्स तैयार करना है, जो तृतीयक/चतुर्थक अस्पतालों की नियोनेटल देखभाल इकाइयों में उच्च स्तर की देखभाल प्रदान कर सफलतापूर्वक इष्टतम कार्य कर सकें।

कार्यनिर्वाह क्षमताएं

कार्यक्रम के पूरा होने पर, नियोनेटल स्पेशियलिस्ट नर्स निम्नांकित कार्य करने में सक्षम होंगे:-

1. परिषद् के सदाचारी, परोपकारी, कानूनी, नैतिक, विनियामक और मानवतावादी सिद्धांतों के अनुरूप मानकों के अनुसार नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में पेशेवर जवाबदेही प्रदर्शित करना।
2. माता-पिता, परिजनों तथा व्यावसायिक सहयोगियों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करना जिससे आपस में सम्मान की भावना को बढ़ावा मिले और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के साझा निर्णय लिये जा सकें।
3. उपचार एवं देखभाल में माता-पिता तथा परिजनों की प्रभावी रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये उन्हें प्रशिक्षित करना तथा परामर्श देना और संकट की चुनौतियों तथा शोकावस्था में उनकी मुकाबला करने की क्षमता में वृद्धि करना।
4. नैदानिक नेतृत्व तथा संसाधन प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और सहयोगी तथा प्रभावी टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिये उनका नवजात शिशु देखभाल तथा समायोजनों में उपयोग करना।

5. नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में व्यावहारिक निर्णय लेने के लिये नैदानिक विशेषज्ञता और रोगी की वरीयताओं के लिहाज से, अनुभव और मूल्यों के साथ नवजात शिशु देखभाल और उपचार में सामयिक सर्वोत्तम प्रमाणों की पहचान, मूल्यांकन और उपयोग करना।
6. ऐसे शोध अध्ययनों में भाग लेना, जो शोध प्रक्रिया की मूलभूत समझ के साथ साक्ष्य-आधारित नियोनेटल नर्सिंग देखभाल मध्यवर्तन में योगदान करते हैं।
7. नवजात विकारों से पीड़ित नवजात शिशुओं और उनके परिजनों की दैहिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समस्याओं के आंकलन, निदान और उपचार में सामान्य विज्ञान को अपनाना।
8. नवजात विकारों से पीड़ित नवजात शिशुओं की देखभाल में नर्सिंग प्रक्रिया को अपनाना।
9. नवजात विकारों से पीड़ित नवजात शिशुओं के उपचार में द्रव, इलेक्ट्रोलाइट, पोषण तथा उन्मूलन प्रबंधन, विकासात्मक सहायक देखभाल, दर्द प्रबंधन, शिशु तापमान प्रबंधन के सिद्धांतों का वर्णन करना।
10. विभिन्न उपचार व्यवस्थाओं के तहत नवजात शिशुओं को देखभाल प्रदान करने में प्रासंगिक विशिष्ट अभ्यास दक्षताओं/कौशल का प्रदर्शन करना।
11. विभिन्न शल्य-चिकित्सीय प्रक्रियाओं से गुजरने वाले नवजात शिशुओं के प्रबंधन में कौशल का प्रदर्शन करना।
12. उपचार से संबंधित प्रतिकूल प्रभावों और आपात स्थितियों की पहचान करना तथा उनकी प्रभावी ढंग से देखभाल करना।
13. दवा खरीद, भंडारण, दवा देने तथा नवजात शिशु संबंधी उपकरणों के रखरखाव, विनिमय आधान, प्रतिरक्षा चिकित्सा की विधि को समझना और अच्छे अभ्यास का प्रदर्शन करना।
14. रेडिएंट वार्मर, पल्स ऑक्सीमीटर, फोटोथेरेपी, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वेइंग स्केल, इनफ्यूजन पंप, रिससिटेशन बैग, ग्लूकोमीटर, सक्शन मशीन, आदि जैसे विशिष्ट उपकरणों के रखरखाव की समझ रखना।
15. नवजात शिशुओं तथा उनके परिजनों के प्रति सहानुभूति और मानवीय दृष्टिकोण का प्रदर्शन करना।
16. नियोनेटल इकाइयों/केंद्रों में नैदानिक आंकलन करना और गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना।
17. आराम एवं गरिमा को बढ़ावा देते हुए मरणासन्न नवजात शिशुओं को उपशामक देखभाल प्रदान करना और व्यक्तिगत सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आवश्यकताओं तथा मतभेदों का सम्मान करते हुए शोक प्रबंधन करना।

V. कार्यक्रम का विवरण और अभ्यास का क्षेत्र

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा एक वर्षीय आवासीय कार्यक्रम है, जिसका मुख्य फोकस योग्यता आधारित प्रशिक्षण रखा गया है। पाठ्यक्रम की अवधारणा में अभ्यास के अलावा मूलभूत पाठ्यक्रम और विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्मिलित किये गये हैं। इसका 10 प्रतिशत भाग सैद्धांतिक और 90 प्रतिशत भाग व्यावहारिक (प्रयोगशाला एवं नैदानिक) है।

कार्यक्रम के पूरा होने पर प्रमाणपत्र मिलने और संबंधित एसएनआरसी में अतिरिक्त योग्यता के रूप में पंजीकृत होने पर, नवजात विशेषज्ञ नर्सों को केवल विशिष्ट अस्पतालों/विभागों/इकाइयों में नवजात विशेषज्ञ नर्स के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिये। वे कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित दक्षताओं, विशेष रूप से परिषद् के पाठ्यक्रम की लॉग बुक में निर्धारित विशिष्ट प्रक्रियात्मक दक्षताओं/नैदानिक कौशल के अनुसार अभ्यास करने में सक्षम होंगे। विशेषज्ञ नर्सों को संबंधित संस्थानों द्वारा संस्थागत प्रोटोकॉल के अनुसार उन विशिष्ट प्रक्रियात्मक दक्षताओं का अभ्यास करने का विशेषाधिकार दिया जा सकता है। विशेषज्ञ नर्स संवर्ग/पदों का सृजन सरकारी/सार्वजनिक और निजी सभी क्षेत्रों में किया जाना चाहिये। यह डिप्लोमा परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा।

VI. पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग – आवासीय कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये न्यूनतम अर्हताएं/दिशानिर्देश

1. कार्यक्रम का संचालन कहाँ-कहाँ किया जा सकता है –

- नर्सिंग में डिग्री कार्यक्रम का संचालन करने वाले नर्सिंग कॉलेज जो न्यूनतम 200 शैय्या वाले अपने स्वयं के ऐसे विशिष्ट अस्पताल/तृतीयक अस्पताल से संबद्ध हों जिनमें सर्वोत्तम नवजात सहायक देखभाल तथा विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नियोनेटल इकाई उपलब्ध हों।
अथवा
- नियोनेटोलॉजी में डीएनबी/फेलोशिप कार्यक्रम का संचालन करने वाले ऐसे अस्पताल जिनमें न्यूनतम 200 शैय्या हों, और जिनमें सर्वोत्तम नवजात सहायक देखभाल तथा विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नियोनेटल इकाई उपलब्ध हों।
- उपरोक्त पात्र संस्थान को संबंधित एसएनआरसी से विशेष शैक्षणिक वर्ष के लिये नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिये मान्यता लेनी होगी, जोकि एक अनिवार्य आवश्यकता है।
- परिषद् द्वारा उपरोक्त दस्तावेजों/प्रस्तावों की प्राप्ति के पश्चात मान्यता प्राप्त नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान का अधिनियम के प्रावधानों के तहत बनाये गये विनियमों के अनुरूप अध्यापन संकाय और नैदानिक एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में उपयुक्तता का आंकलन करने के लिये अधिनियम की धारा 13 के तहत वैधानिक निरीक्षण किया जाएगा।

2. नर्सिंग शिक्षण संकाय

क) 1 : 10 के अनुपात में पूर्णकालिक शिक्षण संकाय।

ख) शिक्षण संकाय में न्यूनतम दो (2) सदस्य होने चाहिये।

ग) योग्यता एवं संख्या:

1. बाल स्वास्थ्य नर्सिंग विशिष्टता में एम.एससी. — 1

2. बेसिक बी.एससी. (नर्सिंग)/पी.बी.बी.एससी. (नर्सिंग) के साथ संबंधित नर्सिंग विशिष्टता में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा — 1

घ) अनुभव: नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में न्यूनतम तीन (3) वर्ष का अनुभव

ङ) अतिथि संकाय: संबंधित विशिष्टताओं में बहु-विषयक

च) प्रीसेप्टर:

- नर्सिंग प्रीसेप्टर: पूर्णकालिक जी.एन.एम. के साथ विशिष्ट देखभाल नर्सिंग (नियोनेटल नर्सिंग) में छः (6) वर्ष का अनुभव, या बी.एससी. (नर्सिंग) के साथ विशिष्ट नर्सिंग में दो (2) वर्ष का अनुभव, या एम.एससी. (नर्सिंग) के साथ नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में एक वर्ष का विशिष्ट देखभाल इकाई में कार्य करने का अनुभव।
- मेडिकल प्रीसेप्टर: स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त विशेषज्ञ (नियोनेटोलॉजिस्ट) डॉक्टर (स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त करने के बाद तीन (3) वर्ष का अनुभव/संकाय स्तर अथवा सलाहकार स्तर वालों को वरीयता दी जाएगी)।
- प्रीसेप्टर छात्र अनुपात: नर्सिंग में 1 : 10, मेडिकल में 1 : 10 (प्रत्येक छात्र एक मेडिकल प्रीसेप्टर और एक नर्सिंग प्रीसेप्टर से संबद्ध होना चाहिए)।

3. बजट

संस्थान के कुल बजट में इस कार्यक्रम के लिये आवश्यक कर्मचारियों के वेतन, अतिथि संकाय और अंशकालिक शिक्षकों के लिये मानदेय, लिपिकीय सहायता, पुस्तकालयी और आकस्मिक व्यय के लिये प्रावधान होना चाहिये।

4. अस्पताल/कॉलेज में भौतिक और शिक्षण सुविधाएं

क) नैदानिक क्षेत्र में एक अध्ययन कक्ष/सम्मेलन कक्ष।

ख) अस्पताल/कॉलेज में कृत्रिम अध्ययन (सिम्युलेटेड लर्निंग) के लिये कौशल प्रयोगशाला। कौशल प्रयोगशाला हेतु आवश्यक वस्तुओं की सूची परिशिष्ट-1 में दी गई है।

ग) ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ पुस्तकालय और कंप्यूटर सुविधाएं:

1. कॉलेज में संबंधित नर्सिंग विशिष्टता, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग शोध और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय होना चाहिये।

अथवा

संबंधित नर्सिंग विशिष्टता, नर्सिंग प्रशासन, नर्सिंग शिक्षा, नर्सिंग शोध और सांख्यिकी से संबंधित वर्तमान पुस्तकों, जर्नल और पत्रिकाओं के लिये मेडिकल कॉलेज/अस्पताल के पुस्तकालय का उपयोग करने की अनुमति होनी चाहिये।

2. इंटरनेट की सुविधा के साथ कंप्यूटर।

घ) ई-लर्निंग सुविधाएं

ङ) शिक्षण संसाधन — उपयोग करने हेतु निम्नांकित सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए:

1. ओवरहेड प्रोजेक्टर,
2. वीडियो देखने की सुविधा,
3. एलसीडी प्रोजेक्टर,
4. सीडी, डीवीडी और डीवीडी प्लेयर,
5. कौशल अध्ययन के लिये उपयुक्त उपकरण, मैनीकिस और सिमुलेटर्स।

च) कार्यालयी सुविधाएं:

1. लिपिक, चपरासी, सफाई कर्मचारी की सेवाएं।
2. कार्यालय, उपकरण और आपूर्ति की सुविधा, जैसे
 - स्टेशनरी,
 - प्रिंटर के साथ कंप्यूटर,
 - जीरोक्स मशीन,
 - टेलीफोन एवं फैक्स।

5. नैदानिक सुविधाएं

- क) न्यूनतम 200 शैया वाले अपने स्वयं के ऐसे विशिष्ट अस्पताल/तृतीयक अस्पताल जिनमें सर्वोत्कृष्ट नवजात सहायक देखभाल तथा विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नवजात इकाई उपलब्ध हों।
- ख) न्यूनतम 200 शैया वाले क्षेत्रीय केंद्र/नियोनेटल स्पेशियलिटी अस्पताल जिनमें सर्वोत्कृष्ट नवजात सहायक देखभाल तथा विशेष नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नवजात इकाई उपलब्ध हों।
- ग) अस्पताल में उन्नत नैदानिक, चिकित्सीय और देखभाल सुविधाओं वाले द्वितीय व तृतीय स्तर की कम से कम 20 शैया उपलब्ध होनी चाहिये।
- घ) इकाइयों में परिषद् द्वारा अनुशंसित मानदंडों के अनुसार नर्स स्टाफ उपलब्ध होना चाहिये।
- ङ) छात्र रोगी अनुपात 1 : 2-3 होना चाहिये।

6. प्रवेश हेतु नियम व शर्तें/प्रविष्टि अर्हताएं

इस कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले छात्र को,

- क) एनयूआईडी नंबर के साथ किसी एक एसएनआरसी में एक पंजीकृत नर्स (आरएन एंड आरएम) या समकक्ष होना चाहिये।
- ख) नामांकन से पहले अधिमानतः नवजात शिशु इकाई में स्टाफ नर्स के पद पर न्यूनतम एक वर्ष का नैदानिक अनुभव होना चाहिये।
- ग) शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिये।
- घ) चयन, आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्जित योग्यता और सक्षम अधिकारी द्वारा लिये गये साक्षात्कार के आधार पर होना चाहिये।
- ङ) अन्य देशों के नर्सों को प्रवेश से पहले परिषद् से समतुल्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

7. सीटों की संख्या

200 शैया तथा 10-20 एनआईसीयू शैया वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 5-10,

500 या इससे अधिक शैया तथा 20 या इससे अधिक एनआईसीयू शैया वाले अस्पताल के लिये सीटों की संख्या = 10-20.

8. अभ्यर्थियों की संख्या

2-3 विशिष्ट शैयाओं के लिये 1 अभ्यर्थी

9. वेतन

क) सेवारत अभ्यर्थियों को नियमित वेतन मिलता रहेगा।

ख) अन्य अभ्यर्थियों को कार्यक्रम का संचालन करने वाले अस्पताल की वेतन संरचना के अनुसार वजीफा/वेतन दिया जायेगा।

VII. परीक्षा विनियम एवं प्रमाणीकरण**परीक्षा विनियम**

परीक्षा संचालन एवं डिप्लोमा प्रदान करने वाले प्राधिकरण: परिषद् द्वारा अनुमोदित संबंधित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/विश्वविद्यालय।

1. परीक्षा में बैठने हेतु पात्रता

- क) **उपस्थिति:** सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक — 80 प्रतिशत। परन्तु प्रमाणपत्र मिलने से पहले 100 प्रतिशत नैदानिक उपस्थिति होना अनिवार्य है।
- ख) लॉग बुक और नैदानिक आवश्यकताओं जैसी जरूरी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने के लिये पात्र होंगे और अंतिम परीक्षा में बैठ सकते हैं।

2. प्रायोगिक परीक्षा

- क) ओएससीई: आंतरिक और अंतिम परीक्षा दोनों में मौखिक परीक्षा के साथ-साथ बुनियादी योग्यता आंकलन के लिये वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) आयोजित की जायेगी। (विस्तृत दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।)
- ख) प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकन: अंतिम आंतरिक और बाह्य परीक्षा में मौखिक परीक्षा के साथ-साथ वास्तविक परिस्थितियों में नैदानिक प्रदर्शन का आंकलन और 3-4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन और कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन) भी शामिल होगा। नैदानिक क्षेत्र में आंकलन की न्यूनतम अवधि 5-6 घंटे होगी। (मूल्यांकन दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।)
- ग) प्रति दिन छात्रों की अधिकतम संख्या = 10 छात्र।
- घ) प्रायोगिक परीक्षा केवल नैदानिक क्षेत्र में ही आयोजित की जानी चाहिये।
- ङ) प्रायोगिक परीक्षक दल में, एक आंतरिक परीक्षक [संबंधित विशिष्ट कार्यक्रम में शिक्षण के 2 वर्ष के अनुभव के साथ एम.एससी. अर्हता धारक संकाय/स्नातकोत्तर के पश्चात 5 वर्ष के अनुभव के साथ एम.एससी. (बाल स्वास्थ्य नर्सिंग) अर्हता धारक संकाय], एक बाह्य परीक्षक (उपरोक्त अनुभव एवं अर्हता धारक नर्सिंग संकाय), और एक चिकित्सीय आंतरिक परीक्षक जो विशिष्ट कार्यक्रम के लिये प्रीसेप्टर होना चाहिये, शामिल होंगे।
- च) प्रायोगिक परीक्षक और सैद्धांतिक परीक्षक एक ही नर्सिंग संकाय होने चाहिये।

3. उत्तीर्णता मानक

- क) प्रत्येक अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिये सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा के आंतरिक आंकलन तथा बाह्य परीक्षा दोनों में मिलाकर न्यूनतम कुल 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण माना जायेगा।
- ख) छात्र को उत्तीर्ण होने के लिये अधिकतम तीन (3) अवसर प्रदान किये जाएंगे।
- ग) यदि छात्र सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से किसी एक में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे सैद्धांतिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से जिसमें अनुत्तीर्ण हुआ है केवल वही परीक्षा पुनः देनी होगी।

4. प्रमाणीकरण

- क) **शीर्षक** – नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा
- ख) निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, परिषद् द्वारा अनुमोदित परीक्षा बोर्ड/एसएनआरसी/विश्वविद्यालय द्वारा डिप्लोमा से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें लिखा होगा कि,
1. अभ्यर्थी ने नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा – आवासीय कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं का अध्ययन पूरा कर लिया है।
 2. अभ्यर्थी ने सैद्धांतिक में 80 प्रतिशत और नैदानिक में 100 प्रतिशत आवश्यकताएं पूरी कर ली हैं।
 3. अभ्यर्थी ने निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

VIII. परीक्षा प्रणाली

पाठ्यक्रम	आंतरिक आंकलन अंक	बाह्य आंकलन अंक	कुल अंक	परीक्षा अवधि घंटे (बाह्य)
सैद्धांतिक (अनुभविक/आवासीय अध्ययन)				
नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग-I व भाग-II) (भाग-I – मूलभूत नर्सिंग के साथ नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-I, भाग-II – नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-II)	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
प्रायोगिक (नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग)				
<ul style="list-style-type: none"> • मौखिक परीक्षा सहित वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) • पर्यवेक्षित प्रायोगिक/नैदानिक अवलोकन: मौखिक परीक्षा के साथ-साथ वास्तविक परिस्थितियों में प्रत्यक्ष अवलोकन – 3-4 घंटे का लघु नैदानिक मूल्यांकन अभ्यास (नर्सिंग प्रक्रिया आवेदन व कार्यविधिक दक्षता का प्रत्यक्ष अवलोकन) 	75 (25+50) (ओएससीई एवं प्रायोगिक अवलोकन)	150 (50+100) (ओएससीई एवं प्रायोगिक अवलोकन)	225	नैदानिक क्षेत्र में न्यूनतम 5-6 घंटे
कुल योग	100	225	325	

IX. कार्यक्रम की बनावट/संरचना

1. अनुदेश पाठ-योजना
2. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन
3. नैदानिक अभ्यास (आवासीय पदस्थापन)
4. प्रशिक्षण विधियां
5. मूल्यांकन विधियां
6. लॉग बुक और नैदानिक आवश्यकताएं

1. अध्ययन निपुणता (कौशल प्रयोगशाला अभ्यास) और नैदानिक अभ्यास के साथ अनुभवात्मक अध्ययन दृष्टिकोण अपनाते हुए अनुदेश पाठ-योजना

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रयोगशाला/कौशल प्रयोगशाला (घंटे)	नैदानिक (घंटे)
1.	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूल	40		
	1. व्यावसायिक कुशलता			
	2. विशिष्ट नर्सिंग में संवाद, माता-पिता की शिक्षा और परामर्श			
	3. विशेष देखभाल परिस्थितियों में नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन			
	4. विशिष्ट नर्सिंग में साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध			
2.	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग पाठ्यक्रम			
	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-I	50	10	
	1. विशिष्ट नर्सिंग का संदर्भ/परिचय			
	2. विशेष देखभाल में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान – एनाटॉमी व फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी व पैथोफिजियोलॉजी जैसी नैदानिक स्थितियों का निदान और उपचार			
	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-II	110	30	1730
	3. मूल्यांकन, निदान, उपचार और विशेष मध्यवर्तन के साथ नैदानिक परिस्थितियों में नर्सिंग प्रबंधन			
	4. रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता			
	5. विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (विकासात्मक सहायक देखभाल/उपशमक देखभाल/पुनर्वास, माता-पिता, परिवार और समुदाय पर बीमारी का प्रभाव)			
कुल योग = 1970 घंटे		200 (5 सप्ताह)	40 (1 सप्ताह)	1730 (38 सप्ताह)

एक वर्ष में उपलब्ध कुल सप्ताह – 52 सप्ताह

- वार्षिक अवकाश + आकस्मिक अवकाश + अस्वस्थता अवकाश + सार्वजनिक अवकाश = 6 सप्ताह
- परीक्षा की तैयारी और परीक्षा = 2 सप्ताह
- सैद्धांतिक और प्रायोगिक = 44 सप्ताह

2. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन (सैद्धांतिक: 10 प्रतिशत एवं व्यावहारिक: 90 प्रतिशत)

ब्लॉक कक्षाएं – 2 सप्ताह × 40 घंटे प्रति सप्ताह = 80 घंटे

आवासीय – 42 सप्ताह × 45 घंटे प्रति सप्ताह = 1890 घंटे

कुल = 1970 घंटे

- ब्लॉक कक्षाएं: सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला अनुभव = 2 सप्ताह × 40 घंटे प्रति सप्ताह (80 घंटे)
(सैद्धांतिक = 74 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 6 घंटे, कुल = 80 घंटे)
- सैद्धांतिक और कौशल प्रयोगशाला सहित नैदानिक अभ्यास = 42 सप्ताह × 45 घंटे प्रति सप्ताह (1890 घंटे)
(सैद्धांतिक = 126 घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 34 घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे, कुल = 1890 घंटे)
सैद्धांतिक = 200 (74+126) घंटे, कौशल प्रयोगशाला = 40 (6+34) घंटे, नैदानिक = 1730 घंटे

नैदानिक अनुभव के दौरान सैद्धांतिक के 126 घंटे और कौशल प्रयोगशाला अध्ययन के 34 घंटे को एकीकृत किया जा सकता है। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रशिक्षित करने में निपुण अध्ययन और अनुभवात्मक अध्ययन दृष्टिकोण का उपयोग किया जाना है। कौशल प्रयोगशाला अर्हताओं के लिये परिशिष्ट-1 देखें।

3. नैदानिक अभ्यास (आवासीय पदस्थापन)

आवासीय नैदानिक अनुभव:— हालांकि न्यूनतम 45 घंटे प्रति सप्ताह निर्धारित है, लेकिन अलग-अलग पारियों और प्रत्येक सप्ताह या पखवाड़े ऑन कॉल ड्यूटी करने पर परिस्थिति अनुसार होगा।

नैदानिक पदस्थापन:— प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रों का निम्नांकित नैदानिक क्षेत्रों में पदस्थापन किया जायेगा:—

क्र.सं.	नैदानिक क्षेत्र	सप्ताह	टिप्पणी
1	नियोनेटल गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू)	12	अपने स्वयं के नियोनेटल स्पेशियलिटी अस्पताल/नियोनेटल देखभाल इकाई में पदस्थापन
2	पोस्ट-नेटल वार्ड	04	
3	केएमसी वार्ड/मानव दुग्ध बैंक	04	
4	प्रसूति कक्ष (नवजात देखभाल केंद्र)	04	
5	बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी)	04	
6	नियोनेटल सर्जिकल वार्ड	10	
7	प्रसिद्ध नियोनेटल केंद्र	04	संलग्नता/दौरे
	कुल योग	42	

आवासीय छात्र अलग-अलग पारियों में स्टाफ नर्स/नर्सिंग अधिकारियों की कार्य सूची का ही पालन करेंगे। इसके अलावा, 40 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह 4 घंटे उनके अध्ययन के लिये होंगे, जिन्हें सैद्धांतिक एवं कौशल प्रयोगशाला अभ्यास के लिये दिया जा सकता है (जैसे, संकाय व्याख्यान – 1 घंटा, नर्सिंग व अंतःविषयक संवाद – 1 घंटा, नैदानिक प्रस्तुतियां, केस स्टडी रिपोर्ट, नैदानिक कार्य – 1 घंटा और कौशल प्रयोगशाला अभ्यास – 1 घंटा), इस प्रकार कुल 126 घंटे सैद्धांतिक और 34 घंटे कौशल प्रयोगशाला अभ्यास के लिये होंगे। नैदानिक पदस्थापन के दौरान शोध प्रक्रिया के सोपानों पर आधारित एक लघु सामूहिक शोध परियोजना (शोध/क्यूआई) आयोजित की जा सकती है जिसकी लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

4. प्रशिक्षण विधियां

सैद्धांतिक, कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक शिक्षण निम्नलिखित पद्धतियों द्वारा किये जा सकते हैं और नैदानिक पदस्थापन के दौरान एकीकृत किये जा सकते हैं:—

- केस/नैदानिक प्रस्तुति और मामले के अध्ययन की रिपोर्ट
- औषधीय अध्ययन और प्रस्तुति
- बेडसाइड क्लिनिक/नर्सिंग दौरे/अंतःविषयक दौरे
- जर्नल क्लब/नैदानिक संगोष्ठी
- नैदानिक क्षेत्र में शिक्षकों के व्याख्यान और परिचर्चा
- कौशल प्रयोगशाला में तथा बेडसाइड पर अभिव्यक्ति और कौशल प्रशिक्षण
- निर्देशित पढ़न/स्व-अध्ययन
- भूमिका निर्वहन
- संगोष्ठी/सामूहिक प्रस्तुति
- सामूहिक शोध परियोजना – शोध/क्यूआई
- नैदानिक कार्य
- माता-पिता की भागीदारी और सशक्तीकरण अभ्यास (सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिये नवजात शिशुओं के देखभाल के निर्णयों में माता-पिता को साझी बनाना), उदाहरणार्थ, छुट्टी देने की योजना, अनुवर्ती कार्यवाही और घरेलू देखभाल।
- द्वितीय एवं तृतीय स्तर के क्षेत्रीय एनआईसीयू, केएमसी इकाई और मानव दुग्ध बैंकों की शैक्षिक दौरे।

5. मूल्यांकन विधियां

- लिखित परीक्षा (केस अथवा परिदृश्य आधारित)
- प्रायोगिक परीक्षा – ओएससीई और प्रायोगिक अवलोकन (वास्तविक परिस्थितियों में नैदानिक प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अवलोकन)

- लिखित कार्य
- परियोजना
- मामले का अध्ययन/देखभाल योजना/नैदानिक प्रस्तुति/औषधीय अध्ययन
- नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन
- नैदानिक कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा करना।
मूल्यांकन दिशानिर्देशों के लिये परिशिष्ट-2 देखें।

6. नैदानिक लॉग बुक/प्रक्रिया पुस्तक

प्रत्येक नैदानिक पदस्थापन के अंत में, नैदानिक लॉग बुक (विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक नर्सिंग कौशल) (परिशिष्ट-3), नैदानिक अर्हताएं (परिशिष्ट-4) और नैदानिक अनुभव विवरण (परिशिष्ट-5) पर संबंधित नैदानिक संकाय/प्रोसेप्टर द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिये।

X. अध्ययन पाठ्यक्रम

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास के मूलभूत सिद्धांत :

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, पैतृक प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध

कुल सैद्धांतिक : 40 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता, संवाद, पैतृक प्रशिक्षण और परामर्श, नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन तथा साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध की समझ विकसित करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
1	6	व्यावसायिक कुशलता की समझ का प्रदर्शन और नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में व्यावसायिक कुशलता का प्रदर्शन करना	व्यावसायिक कुशलता <ul style="list-style-type: none"> • अभिप्राय और सिद्धांत – नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग अभ्यास में जवाबदेही, सुविज्ञता, दृश्यता और नैतिकता • व्यावसायिक मूल्य और व्यावसायिक व्यवहार • आईएनसी आचार संहिता, व्यावसायिक आचरण संहिता और अभ्यास मानक • नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास से संबंधित नैतिक मुद्दे • नर्सों की प्रसारी भूमिका – नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्स/नर्स प्रेक्टिशनर • व्यावसायिक संगठन • सतत नर्सिंग शिक्षा 	• परिचर्चा	• नियोनेटल नर्सिंग से संबंधित आचार संहिता की व्याख्या करना
		नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास के चिकित्सीय-विधिक पहलुओं का वर्णन करना	चिकित्सीय-विधिक पहलू <ul style="list-style-type: none"> • नियोनेटल नर्सिंग से संबंधित कानून और विनियम • उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम • लापरवाही और कदाचार • चिकित्सीय-विधिक पहलू • रिकॉर्ड और रिपोर्ट • नियोनेटल स्पेशियलिस्ट नर्सों की कानूनी जिम्मेदारियां 	• व्याख्यान एवं परिचर्चा	• रोगियों का रिकॉर्ड रखना
2	12	नवजात शिशु के माता-पिता, परिजनों और व्यावसायिक सहयोगियों से	संवाद <ul style="list-style-type: none"> • संवाद प्रणाली और तकनीक • गलत रोग निदान के कारण उत्पन्न चिकित्सीय और शल्य-चिकित्सीय विकारों वाले नवजात शिशु के माता-पिता को 	मॉड्यूल – <ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • दुःखद समाचार देने में भूमिका 	• डिजिटल रिकॉर्ड्स

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		<p>आपसी मेलजोल के साथ स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिये साझा निर्णय लेकर प्रभावी ढंग से संवाद स्थापित करना</p> <p>उपचार और देखभाल में प्रभावी ढंग से भागीदारी निभाने के लिये नवजात शिशु के माता-पिता और परिजनों को शिक्षित करना और परामर्श देना</p>	<p>दुःखद समाचार सुनाना</p> <ul style="list-style-type: none"> संस्कृति अनुसार संवेदनापूर्वक संवाद नर्सिंग देखभाल योजनाओं का विकास और रिकॉर्ड्स संवाद में उपयोगी सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण टीम संवाद <p>पैतृक और पारिवारिक शिक्षा</p> <ul style="list-style-type: none"> शिक्षण और अध्ययन के सिद्धांत स्वास्थ्य शिक्षा के सिद्धांत माता-पिता तथा परिजनों की सूचना एवं प्रशिक्षण आवश्यकताओं और प्रशिक्षण सामग्री का आंकलन <p>परामर्श</p> <ul style="list-style-type: none"> परामर्श तकनीक दुःखद समाचार, गहन उपचार, संकटकालीन मध्यवर्तन और मरणासन्न अवस्था में नवजात शिशु के माता-पिता और परिजनों को परामर्श देना 	<p>निभाना</p> <ul style="list-style-type: none"> समकक्ष प्रशिक्षण परामर्श सत्र 	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न विकारों से ग्रसित नवजात शिशु के माता-पिता के लिये एक सामूहिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना प्रासंगिक विषय पर नवजात शिशु के माता-पिता के लिये जन-जागरूकता प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना
3	12	<p>नैदानिक नेतृत्व और प्रबंधन रणनीतियों की समझ का प्रदर्शन करना और उनका नियोजन देखभाल और सहयोगी एवं प्रभावी टीम वर्क को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों में प्रयोग में लाना</p> <p>नियोजन देखभाल इकाई या विशिष्ट नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) तैयार करना</p> <p>नियोजन इकाई/केंद्रों में गुणवत्ता आश्वासन गतिविधियों में भाग लेना और नैदानिक परीक्षण करना</p>	<p>नैदानिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन</p> <ul style="list-style-type: none"> नेतृत्व और प्रबंधन नियोजन नर्सिंग देखभाल प्रबंधन के अवयव – योजना, आयोजन, स्टाफ, रिपोर्टिंग, रिकॉर्डिंग और बजट नैदानिक नेतृत्व और इसकी चुनौतियां शिफ्ट मंडल नियोजन इकाइयों में मानव संसाधन प्रबंधन सामग्री प्रबंधन द्वितीय एवं तृतीय स्तर की एक आदर्श नियोजन देखभाल इकाई, केएमसी वार्ड और मानव दुग्ध बैंक की रूपरेखा तैयार करना भावनात्मक बुद्धिमत्ता और स्व-प्रबंधन कौशल अंतःविषयक दल के सदस्य के रूप में कार्य करना नवजात शिशु की देखभाल के लिये नीतियों को प्रासंगिक बनाने में भागीदार बनना विभिन्न नवजात विकारों के लिये नियोजन देखभाल इकाई तैयार करना <p>नियोजन इकाई/केंद्र में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम</p> <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग ऑडिट नर्सिंग मानक गुणवत्ता आश्वासन 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान प्रदर्शन – नियोजन देखभाल इकाई या एसएनसीयू तैयार करना किसी भी विशिष्ट बाल अस्पताल के एसएनसीयू का दौरा करना मॉड्यूल मान्यता और अभ्यास मानक 	<ul style="list-style-type: none"> नियोजन विभाग/इकाई में कार्यरत कनिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों/स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना द्वितीय एवं तृतीय स्तर की एक आदर्श नियोजन देखभाल इकाई, केएमसी वार्ड और मानव दुग्ध बैंक तैयार करना नियत कार्य – आदर्श नियोजन देखभाल इकाई की रूपरेखा तैयार करना नियोजन वार्ड और विशिष्ट नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) के लिये एसओपी विकसित करना

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
4	10	<p>शोध प्रक्रिया का वर्णन करना और मूलभूत सांख्यिकीय परीक्षण करना</p> <p>शोध सिद्धांतों और उसके चरणों को अपनाते हुए शोध करना</p> <p>व्यावसायिक अभ्यास में साक्ष्य आधारित/सर्वोत्तम अभ्यासों को लागू करना</p>	<p>साक्ष्य आधारित और अनुप्रयुक्त शोध</p> <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग शोध और शोध प्रक्रिया का परिचय डेटा प्रस्तुति, मूलभूत सांख्यिकीय परीक्षण और इसके अनुप्रयोग नियोनेटल नर्सिंग में शोध प्राथमिकताएं नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास के लिये प्रासंगिक समस्याओं/प्रश्नों की अभिव्यक्ति नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में साक्ष्य आधारित/सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिये साहित्यिक समीक्षा दैनिक व्यावसायिक अभ्यास में साक्ष्य आधारित मध्यवर्तन का कार्यान्वयन शोध में नैतिकता 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान मॉड्यूल – वैज्ञानिक प्रपत्र लेखन 	<ul style="list-style-type: none"> नियोनेटल विभाग के गत पांच वर्ष के सांख्यिकीय आंकड़े तैयार करना नियोनेटल नर्सिंग मध्यवर्तन पर साहित्यिक समीक्षा का संचालन करना सामूहिक शोध परियोजना

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-1

नियोनेटल नर्सिंग का संदर्भ/परिचय और नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास में प्रयुक्त सामान्य विज्ञान (मनोविज्ञान व समाजशास्त्र, शरीर रचना विज्ञान व शरीर विज्ञान, आनुवांशिकी, सामुदायिक स्वास्थ्य, औषधविज्ञान, प्रसूतिविज्ञान, भ्रूणविज्ञान, नवजात शिशु संबंधी उन्नत जीवन समर्थन)

सैद्धांतिक : 50 घंटे और प्रयोगशाला : 10 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम विभिन्न चिकित्सीय व शल्यचिकित्सीय विकारों से पीड़ित नवजात शिशुओं के निदान तथा उपचार में नवजात देखभाल प्रावधान और सामान्य विज्ञान लागू करने के संदर्भ में समझ तथा गहन जानकारी विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
1	2 (टी)	नवजात शिशु के सामान्य विकारों के जानपदिक लक्षणों की व्याख्या करना, जोखिमों की पहचान और उन्हें कम करने की रणनीतियां	<ul style="list-style-type: none"> नवजात शिशु विकारों का जानपदिक रोग विज्ञान – व्यापकता और आंकड़े जोखिम कारक और पहचान जोखिम कम करने हेतु रणनीतियां 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> सांख्यिकीय प्रस्तुतिकरण
2	8 (टी) 2 (एल)	<p>नियोनेटल नर्सिंग की सामान्य अवधारणाओं और सिद्धांतों की व्याख्या करना</p> <p>नियोनेटल स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका</p>	<p>नियोनेटल नर्सिंग का परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> नियोनेटल नर्सिंग की परिभाषा, अवधारणा और सिद्धांत नियोनेटल नर्स की विशेषताएं नवजात शिशु की देखभाल के स्तर और नर्स की भूमिका एनआईसीयू में प्रवेश के लिये मानदंड नर्सिंग प्रक्रिया नियोनेटल स्पेशियलिस्ट नर्सों की भूमिका नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास का दायरा 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा द्वितीय स्तर व तृतीय स्तर की नवजात शिशु देखभाल इकाइयों के दौरे 	<ul style="list-style-type: none"> दौरे की रिपोर्ट

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
3	5 (टी)	नियोनेटल नर्सिंग देखभाल में मनोसामाजिक पहलुओं की व्याख्या करना	मनोविज्ञान <ul style="list-style-type: none"> व्यक्तिगत मतभेद अध्ययन, प्रेरणा, ध्यान और अनुभूति भावनाएं मानव व्यवहार और संकटकालीन आवश्यकताएं तनाव और संकटकालीन स्थितियों में इससे मुकाबला करना नेतृत्व संचार और आईपीआर अभिवृत्ति और मानवीय देखभाल मार्गदर्शन और परामर्श समाजविज्ञान <ul style="list-style-type: none"> सामाजिक संरचना और सामुदायिक संसाधन सामुदायिक नेतृत्व भूमिका परिवार और पारिवारिक संबंध बच्चे के पालन-पोषण पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा परामर्श – समीक्षा के चरण 	<ul style="list-style-type: none"> परामर्श सत्र आयोजित करना
4	4 (टी) 2 (एल)	नियोनेटल व्यवस्था में मेडिकल सर्जिकल एसेप्सिस और संक्रमण नियंत्रण की व्याख्या करना	नियोनेटल व्यवस्था में संक्रमण नियंत्रण <ul style="list-style-type: none"> प्रतिरक्षा, संक्रमण एसेप्सिस, रोगाणुनाशन और कीटाणुशोधन के सिद्धांत नैदानिक परीक्षण और इससे संबंधित नर्स के उत्तरदायित्व मानक सुरक्षा उपाय जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन बेरियर नर्सिंग और संक्रमण नियंत्रण प्रथा 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान अभिव्यक्ति 	<ul style="list-style-type: none"> नियोनेटल इकाई में संक्रमण नियंत्रण पर एसओपी तैयार करना लिखित कार्य: नियोनेटल इकाई में संक्रमण नियंत्रण अभ्यास
5	8 (टी) 2 (एल)	विभिन्न प्रणालियों की बुनियादी शारीरिक संरचना (एनाटॉमी) और शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी) की व्याख्या करना	एप्लाइड एनाटॉमी और फिजियोलॉजी की समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> तंत्रिका प्रणाली श्वसन प्रणाली हृदय प्रणाली जठरांत्र प्रणाली अंतःस्त्रावी प्रणाली हाड़ पिंजर प्रणाली जनन-मूत्रीय तंत्र प्रजनन तंत्र संवेदी अंग 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान स्व-अध्ययन प्रयोगशाला में प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> प्रश्नोत्तरी लघु उत्तर
6	6 (टी)	नियोनेटोलॉजी के कोशिकीय आधार को समझना नियोनेटोलॉजी के आनुवांशिक आधार की व्याख्या करना	नियोनेटोलॉजी का आनुवांशिकीय आधार <ul style="list-style-type: none"> गर्भाधान से जन्म तक भ्रूण का विकास भ्रूण परिसंचरण आनुवांशिकी और आनुवंशिकता का अर्थ उत्तराधिकार का मेंडेलियन लॉ आनुवंशिक विकार <ul style="list-style-type: none"> क्रोमोसोमल त्रुटियां चयापचय की जन्मजात त्रुटियां 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान 	<ul style="list-style-type: none"> भ्रूण परिसंचरण का मॉडल तैयार करना

इकाई	समय (घंटे)	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> — बहुक्रियात्मक विकार (सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया) • आनुवांशिक परामर्श और आनुवंशिक परामर्श में नर्स की भूमिका 		<ul style="list-style-type: none"> • परामर्श सत्र का संचालन करना
7	3 (टी) 2 (एल)	नवजात शिशुओं की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों को समझना	सामुदायिक स्वास्थ्य <ul style="list-style-type: none"> • जनसांख्यिकी और परिवार कल्याण <ul style="list-style-type: none"> — परिभाषा, अर्थ, जनसंख्या रुझान — वैश्विक और भारतीय समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> • मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा और कार्यक्रम <ul style="list-style-type: none"> — सेवाओं की संरचना — सीएसएसएम/आरसीएच — परिवार कल्याण कार्यक्रम • स्वास्थ्य शिक्षा: अवधारणा, सिद्धांत, दृष्टिकोण और विधियां 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान • जिला अस्पताल का दौरा • प्रदर्शन 	<ul style="list-style-type: none"> • दौरे की रिपोर्ट • नवजात शिशुओं के माता-पिता और परिजनों के लिये स्वास्थ्य शिक्षा तैयार करना, योजना बनाना और देना
8	6 (टी)	नवजात शिशुओं के विभिन्न चिकित्सीय तथा शल्य-चिकित्सीय विकारों की फार्माकोथेरेपी की व्याख्या करना	एप्लाइड फार्माकोलॉजी <ul style="list-style-type: none"> • पीड़नाशक/प्रज्वलनरोधी (एनलजैसिक्स/एंटी-इनफ्लेमेटरी) एजेंट • प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक्स), पूतिनाशक (एंटीसेप्टिक्स) • औषधि की प्रतिक्रिया और विषाक्तता • नवजात शिशु के पुनर्जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली औषधियां • रक्त और रक्त घटक • औषधि प्रबंधन के सिद्धांत • नर्सों की भूमिका और औषधियों की देखभाल 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान एवं परिचर्चा • औषधि प्रस्तुति 	<ul style="list-style-type: none"> • औषधीय अध्ययन
9	8 (टी) 2 (एल)	भ्रूण तथा अपरा संबंधी शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलॉजी) की व्याख्या करना परिधीय विज्ञान को समझना और प्रसव कक्ष में सामान्य नवजात शिशु और उच्च जोखिम वाले नवजात शिशु की देखभाल करना	प्रसूति समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> • गर्भावस्था <ul style="list-style-type: none"> — सामान्य और उच्च जोखिम — प्रसूति संबंधी विकार • प्रसव <ul style="list-style-type: none"> — सामान्य और असामान्य — प्रसवपूर्व और प्रसवकालीन अवधि में नवजात शिशुओं के जोखिम कारक • सामान्य नवजात शिशु — प्रसव वार्ड में तात्कालिक देखभाल • उच्च जोखिम नवजात — आईजीयूआर, पोस्ट मैच्योरिटी, उच्च जोखिम वाली माताओं के बच्चे • प्रसूति में प्रयुक्त औषधियां और भ्रूण/नवजात शिशु के लिये उनकी उलझन 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान एवं परिचर्चा • मामले पर चर्चा/प्रस्तुति • पर्यवेक्षित नैदानिक अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> • मामले के अध्ययन का मूल्यांकन • जांच सूची के साथ कौशल आंकलन • औषधीय अध्ययन

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-2

नैदानिक स्थितियों का नर्सिंग प्रबंधन जिसमें आंकलन, निदान, उपचार और विशिष्ट मध्यवर्तन, रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता तथा विशिष्ट/बीमारी विशिष्ट विवेचन (सहायक देखभाल/उपशामक देखभाल/स्वास्थ्य लाभ) शामिल हैं

सैद्धांतिक : 110 घंटे और प्रयोगशाला : 30 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण: यह पाठ्यक्रम विभिन्न नवजात शिशु विकारों के आंकलन, निदान, उपचार, नर्सिंग प्रबंधन, और सहायक/उपशामक देखभाल के लिये आवश्यक दक्षताओं को विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिये तैयार किया गया है।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
1	14 (टी) 6 (एल)	नवजात शिशुओं के मूल्यांकन में दक्षता प्रदर्शित करना और समझना नवजात शिशुओं के सामान्य अनुकूलन और आवश्यक देखभाल को समझना	सामान्य नवजात शिशु <ul style="list-style-type: none"> परिभाषा तथा शब्दावली सामान्य मातृ-शिशु संबंध नवजात शिशु की जांच तथा आंकलन नवजात शिशु में खतरे के संकेतों की पहचान नवजात शिशु के सामान्य लघु विकार सामान्य नवजात शिशु की देखभाल तात्कालिक देखभाल नियमित देखभाल – अवस्थांतर देखभाल दैनिक देखभाल – घरेलू देखभाल नवजात शिशु का शारीरिक अनुकूलन थर्मोरेग्यूलेशन और हाइपोथर्मिया की रोकथाम कंगारू मदर केयर (केएमसी) 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा नवजात शिशु की तात्कालिक देखभाल का निरूपण ठीक अवस्था का निरूपण और केएमसी के दौरान देखभाल 	<ul style="list-style-type: none"> एनआईसीयू और नवजात शिशु वार्ड में नवजात शिशु का आंकलन करना आंकलन रिपोर्ट लिखना चैकलिस्ट की सहायता से कौशल आंकलन
2	16 (टी) 6 (एल)	नवजात शिशुओं को दूध पिलाने के विभिन्न तरीकों को समझना और दूध पिलाने के सही तरीकों का प्रदर्शन करना	नवजात शिशुओं को दूध पिलाने के तरीके <ul style="list-style-type: none"> स्तन की फिजियोलॉजी और दुग्ध स्राव दूध पिलाने और पोषण के सिद्धांत सामान्य बच्चों को दूध पिलाना स्तनपान और दूध निकालने के दौरान अनुरक्षण स्तनपान समस्याओं का प्रबंधन जन्म के समय कम वजन वाले (एलबीडब्ल्यू) शिशुओं को दूध पिलाना कृत्रिम तरीकों से दूध पिलाना – आंत्र, आंत्रेतर, कटोरी चम्मच, नली से दूध पिलाना कुल आंत्रेतर पोषण (टीपीएन) द्रव व इलेक्ट्रोलाइट संतुलन और द्रव व इलेक्ट्रोलाइट थेरेपी 	<ul style="list-style-type: none"> एफएनबीसी माड्यूल (मौखिक अभ्यास, वीडियो, स्व-मूल्यांकन अभ्यास) अभिव्यक्ति 	<ul style="list-style-type: none"> चैकलिस्ट की सहायता से कौशल आंकलन रोगियों पर उल्टी अभिव्यक्ति
3	14 (टी) 4 (एल)	जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखभाल में कौशल विकसित करना	जन्म के समय कम वजन वाले (एलबीडब्ल्यू) शिशुओं की देखभाल <ul style="list-style-type: none"> जन्म के समय कम वजन वाले (एलबीडब्ल्यू) शिशुओं के प्रकार हैतुकी (एटियलॉजी) पूर्वावधि और अपरिपक्व बच्चों की पहचान पूर्वावधि और अपरिपक्व बच्चों की समस्याएं प्रबंधन: सिद्धांत, थर्मोरेग्यूलेशन, दूध 	<ul style="list-style-type: none"> पूर्वावधि देखभाल पैकेज 	<ul style="list-style-type: none"> स्व-आंकलन जन्म के समय कम वजन वाले (एलबीडब्ल्यू) शिशुओं के उपचार में नवीनतम साक्ष्यों का लेखन

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण / अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
			पिलाना, निगरानी, स्थानांतरण, विशिष्ट बीमारियों का प्रबंधन		
4	24 (टी) 3 (एल)	नवजात शिशुओं के विभिन्न चिकित्सीय विकारों की एटियोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक अभिव्यक्ति, निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना	रोगी नवजात <ul style="list-style-type: none"> नवजात शिशु की निगरानी तथा अवलोकन नवजात शिशु में खतरे के संकेत श्वसन संबंधी समस्याएं: एस्फिक्सिया नियोनेटोरम, एपनिया, रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (आरडीएस), मेकोनियम एस्पिरेशन सिंड्रोम, श्वसन संक्रमण नवजात सेप्सिस नवजात को पीलिया होना ऐंठन तथा तंत्रिका संबंधी विकार चयापचयी विकार नेक्रोटाइजिंग एंट्रोकोलाइटिस (एनईसी) एचआईवी: ट्रांसमिशन और एंटी-रेट्रोवायरल (एआरवी) थेरेपी नवजात समस्याओं का आपातकालीन उपचार 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा शैय्या पर प्रशिक्षण मामले के परिदृश्य पर परिचर्चा सामूहिक प्रस्तुति 	<ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग क्लिनिक / दौरे मामले की प्रस्तुति मामले पर परिचर्चा
5	22 (टी) 3 (एल)	नवजात शिशुओं के विभिन्न शल्यचिकित्सीय विकारों के एटियोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी, नैदानिक अभिव्यक्ति, निदान और प्रबंधन की व्याख्या करना	नवजात शिशुओं के विभिन्न शल्यचिकित्सीय विकारों का प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> जन्म के समय गुमचोट जन्मजात विकृति: पहचान और प्रबंधन विभिन्न शल्यचिकित्सीय प्रक्रियाओं से गुजरने वाले नवजात शिशु की शल्यचिकित्सा से पहले तथा बाद में नर्सिंग देखभाल: <ul style="list-style-type: none"> फटे होंठ और तालु एसोफेगल एट्रेसिया और ट्रेचेओ-एसोफेगल फिस्टुला कनजेनिटल हाइपरट्रॉफिक पाइलोरिक स्टेनोसिस हिर्स्चस्पुंग्स रोग छिद्रित गुदा रेक्टो वेजिनल फिस्टुला (आरवीएफ) स्पाइना बिफिडा (मेनिंगोमीलोसेले) जलशीर्ष मूत्राशय की शोथ जन्मजात हृदय रोग 	<ul style="list-style-type: none"> व्याख्यान एवं परिचर्चा सेमिनार 	<ul style="list-style-type: none"> केस स्टडी लिखना शल्यचिकित्सा से गुजरने वाले नवजात शिशुओं के प्रबंधन पर नर्सिंग मानक विकसित करना जन्मजात विकृतियों वाले नवजात शिशुओं के माता-पिता के लिये स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का संचालन करना
6	3 (टी) 2 (एल)	नवजात शिशु को पुनर्जीवन देना	नवजात की अग्रिम जीवन सहायता (एडवांस लाइफ सपोर्ट) <ul style="list-style-type: none"> नियमित देखभाल प्रारंभिक चरण बैग और मुखौटे द्वारा वायु संचार वक्ष का संपीड़न (चेस्ट कम्प्रेसन) अंतःश्वासनलीय अंतर्ज्ञान औषधियां 	<ul style="list-style-type: none"> नवजात शिशु को पुनर्जीवन पर कार्यशाला एनआरपी मॉड्यूल अभिव्यक्ति और अभ्यास सत्र 	<ul style="list-style-type: none"> चैकलिस्ट की सहायता से कौशल आंकलन
7	14 (टी) 6 (एल)	विभिन्न उपकरणों को संभालने और नवजात शिशुओं पर विभिन्न प्रक्रियाओं के	नवजात प्रक्रिया और विशेष उपकरणों का रखरखाव <ul style="list-style-type: none"> नवजात प्रक्रिया औषधीय उपचार के सिद्धांत, औषधि देना, आमतौर पर इस्तेमाल की जाने 	<ul style="list-style-type: none"> अभिव्यक्ति अभ्यस्त वीडियो 	<ul style="list-style-type: none"> उल्टी अभिव्यक्ति पूर्ण प्रक्रियात्मक आवश्यकताएं

इकाई	समय	अध्ययन के नतीजे	विषय	शिक्षण/अध्ययन गतिविधियां	मूल्यांकन विधियां
		संचालन कौशल को समझना और प्रदर्शित करना	वाली औषधियां <ul style="list-style-type: none"> • तापमान रखरखाव के सिद्धांत तथा इसके नैदानिक विकार • नमूना संग्रहण • प्रक्रियाओं और उपचार में सहायता करना • उपकरणों का उपयोग और रखरखाव • नवजात रिकॉर्ड • नवजात की निगरानी • बीमार नवजात शिशुओं का प्रवेश और स्थानांतरण 		<ul style="list-style-type: none"> • इकाई का आंकलन करना
8	3 (टी)	एक बीमार/असामान्य शिशु के जन्म का परिवार पर प्रभाव की व्याख्या करना	परिवार पर एक बीमार/असामान्य बच्चे के जन्म का प्रभाव <ul style="list-style-type: none"> • अपने बच्चे के एनआईसीयू में दाखिले पर माता-पिता की प्रतिक्रिया • दुःख की प्रक्रिया • तनाव के कारण, प्रभाव और प्रबंधन • परिवार की व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याएं 	<ul style="list-style-type: none"> • व्याख्यान एवं अभिव्यक्ति 	<ul style="list-style-type: none"> • गहन सोचविचार करना और निर्णय लेना

अभ्यास (कौशल प्रयोगशाला और नैदानिक)

कुल अवधि: 1770 घंटे (40 + 1730)

(कौशल प्रयोगशाला – 40 घंटे और नैदानिक – 1730 घंटे)

अभ्यास दक्षताएं

कार्यक्रम के अंत में छात्र निम्नलिखित कार्य संपादन करने में सक्षम होंगे:—

1. नवजात शिशुओं की शारीरिक और व्यवहारिक अवस्था के साथ-साथ गर्भकालीन आयु का आकलन करना
2. महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी और व्याख्या करना
3. वजन, ऊंचाई के साथ-साथ सिर और छाती का परिधीय माप लेना
4. नवजात शिशुओं की तात्कालिक और दैनिक देखभाल करना
5. सामान्य और बीमार नवजात शिशु की देखभाल में नर्सिंग प्रक्रिया लागू करना
6. विभिन्न तरीकों से औषधि देने में सहायता करना
7. सार्वभौमिक संक्रमण नियंत्रण सावधानियों का पालन करना
8. माताओं को यथासंभव स्तनपान कराने के लिये प्रोत्साहित करना
9. नवजात शिशुओं का आंत्र अथवा आंत्रेतर तरीके से इष्टतम पोषण बनाये रखना
10. माता-पिता तथा शिशु का आपसी संबंध बनाने में प्रोत्साहन देना और इसे सुविधाजनक बनाना
11. नवजात शिशु के दर्द का आंकलन और प्रबंधन
12. किसी भी प्रकार की असामान्यता का पता लगने पर रिकॉर्ड और रिपोर्ट तैयार करना
13. छुट्टी देने और घर पर देखभाल के लिये माता-पिता को तैयार करना
14. शिशु देखभाल और अनुवर्ती देखभाल से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना
15. दस्तावेजी निष्कर्ष, नर्सिंग देखभाल और असामान्यताएं

नैदानिक पदस्थापन

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू)	12 सप्ताह	नवजात विकारों से पीड़ित रोगियों की नर्सिंग देखभाल करना	नवजात शिशु आंकलन <ul style="list-style-type: none"> • जोखिम कारकों की पहचान और आंकलन • गर्भकालीन आयु का आंकलन • खतरनाक जन्मजात 	<ul style="list-style-type: none"> • नवजात आंकलन रिपोर्ट • मामले के 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • मामले के

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
			असामान्यताओं का पता लगाना • नवजात शिशुओं का दाखिला और छुट्टी • नवजात शिशुओं की निगरानी – चिकित्सकीय और मॉनिटर के साथ – सीआरटी (कैपिलरी रिफिल टाइम) – पीलिया का आकलन – ईसीजी • वेंटिलेटर की स्थापना • फोटोथेरेपी • रेडिएंट वार्मर और इन्क्यूबेटर का उपयोग • अपकेंद्रित मशीन • फ्लक्स मीटर, बिलीमीटर, रिफ्रेक्टोमीटर • पटलीय प्रवाह • संक्रमण रोकथाम प्रक्रिया: – हाथ धोना – कीटाणुनाशक और रोगाणुनाशक – निगरानी – धूम्रपान	अध्ययन की रिपोर्ट	अध्ययन और एनआईसीयू दौरे की रिपोर्ट
नवजात शिशु शल्य-चिकित्सीय वार्ड	10 सप्ताह	शल्यचिकित्सा पाने वाले नवजात शिशुओं की शल्यचिकित्सा से पहले तथा बाद में देखभाल करना माता-पिता और परिजनों को परामर्श देना	• नवजात शिशु की शल्यचिकित्सा के लिये तैयारी • शल्यचिकित्सा के बाद देखभाल करना • एयरवे प्रबंधन • ओरोफेरिजियल एयरवे का अनुप्रयोग • ऑक्सीजन थेरेपी • सीपीएपी (निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव) • ट्रेकियोस्टोमी की देखभाल • अंतःश्वासनलीय अंतर्ज्ञान • ओजी (ओरोगेस्ट्रिक) ट्यूब लगाना • नली से दूध पिलाना • गस्ट्रिक लवाज • औषधि देना: – आई/एम – आईवी इंजेक्शन, – आईवी कैनुलेशन और निर्धारण – इनफ्यूजन पम्प – खुराक निर्धारण – नवजात शिशुओं की औषधि	• स्वास्थ्य वार्ता	• नैदानिक मूल्यांकन • मामले का अध्ययन

क्षेत्र	अवधि (सप्ताह)	नैदानिक अध्ययन के परिणाम	कौशल/प्रक्रियात्मक दक्षताएं	निहित कार्य	मूल्यांकन विधियां
			<ul style="list-style-type: none"> सूत्रीकरण — ट्यूबरकुलिन/इंसुलिन सीरिज का उपयोग — द्रव चिकित्सा की निगरानी — रक्ताधान • नमूना संग्रहण • अभिभावकों मार्गदर्शन और परामर्श 		
प्रसूति कक्ष (नवजात शिशु देखभाल कॉर्नर)	04 सप्ताह	नवजात शिशु को तात्कालिक देखभाल प्रदान करना और आवश्यकता पड़ने पर नवजात शिशु को पुनर्जीवन प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • नवजात पुनर्जीवन • नवजात शिशु की तात्कालिक देखभाल • अपगर स्कोर • बच्चे का वजन लेना • विटामिन के देना • केएमसी • त्वचीय संपर्क • स्तनपान कराना 	<ul style="list-style-type: none"> • नर्सिंग आकलन 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन
प्रसवोत्तर वार्ड	04 सप्ताह	प्रसवोत्तर वार्ड में भर्ती नवजात शिशुओं और नवजात शिशुओं की माताओं को नर्सिंग देखभाल प्रदान करना	<ul style="list-style-type: none"> • एंथ्रोपोमेट्रिक आंकलन • नवजात शिशु की जांच • दूध पिलाने का प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> — स्तनपान और स्तनपान पर परामर्श — कृत्रिम आहार — टीपीएन • थर्मोरेग्यूलेशन • अक्षीय तापमान • थर्मोरेग्यूलेशन का प्रबंधन और नियंत्रण • आहार योजना • माता-पिता को परामर्श देना 	<ul style="list-style-type: none"> • स्वास्थ्य वार्ता • मामले की प्रस्तुति 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन
केएमसी वार्ड/मानव दुग्ध बैंक	04 सप्ताह	नवजात शिशु और माता-पिता को केएमसी के लिये तैयार करना	<ul style="list-style-type: none"> • कंगारू मदर केयर (केएमसी) • स्तनपान की अभिव्यक्ति • माता-पिता की स्वास्थ्य शिक्षा 	<ul style="list-style-type: none"> • औषधीय अध्ययन • स्वास्थ्य वार्ता 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन • स्वास्थ्य वार्ता का मूल्यांकन
ओपीडी	04 सप्ताह	विभिन्न विकारों से ग्रस्त नवजात शिशुओं की जांच में सहायता करना नैदानिक प्रक्रियाओं में सहायता करना	<ul style="list-style-type: none"> • पूर्ववृत्त लेना • शारीरिक जांच करना • स्वास्थ्य शिक्षा • अवलोकन करना और निम्नलिखित प्रक्रियाओं में सहायता करना • इकोकार्डियोग्राम • सिर का अल्ट्रासाउंड • आरओपी स्क्रीनिंग (रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी) 	<ul style="list-style-type: none"> • स्वास्थ्य वार्ता पर रिपोर्ट — पूर्ववृत्त लेना और शारीरिक जांच 	<ul style="list-style-type: none"> • नैदानिक मूल्यांकन

परिशिष्ट-1

कौशल प्रयोगशाला अर्हताएं

नोट: नर्सिंग कॉलेज की मूलभूत कौशल प्रयोगशाला के लिये आवश्यक वस्तुओं के अलावा निम्नलिखित आवश्यक हैं।

क्र.सं.	कौशल प्रयोगशाला के लिये आवश्यक वस्तु	संख्या	कौशल
1	गर्भनाल की धड़कन, सहज श्वसन, दिल की आवाज़ और रोने के मिथ्याभास के लिये दबाने वाले बल्ब के साथ नवजात शिशु का पुतला	02	नवजात शिशु की आवश्यकताएं
2	बाहरी गर्भनाल रज्जु	04	
3	अम्बिलिकल टाई	06	
4	नवजात बच्चे की चादर या तौलिया	04	
5	सिर की टोपी	02	
6	नवजात श्लेष्मा चूसक (खोलने में आसान, साफ, स्वतः संग्रह करने योग्य और पुनः प्रयोज्य)	02	
7	प्रशिक्षण स्टेथोस्कोप	02	
8	हिलने-डुलने वाले सिर के साथ सामान्य वजनी, लचीले ऊपरी और निचले अंग वाला सामान्य नवजात शिशु पुतला	02	कंगारू मदर केयर (केएमसी)
9	बच्चे की टोपी, लंगोट, दस्ताने, मोजे	02	
10	कंगारू मदर केयर (केएमसी) ड्रेस/शॉल	02	
11	बेड शीट (मां और बच्चे को लपेटने के लिए)	02	
12	डिजिटल थर्मामीटर	10	थर्मोरेग्यूलेशन
13	रोशनी वाला वार्मर		
14	गद्दा	03	
15	त्वचा तापमान सलाई (कनेक्शन केबल के साथ)	06	
16	अतिरिक्त हीटिंग एलीमेंट	03	
17	फ़्यूज़ का अतिरिक्त सेट	10	
18	कम से कम 10 मीटर तार के साथ पावर कॉर्ड और फिटिंग	01	
19	मूलभूत नर्सिंग देखभाल सामग्री	—	बुनियादी और उन्नत नर्सिंग देखभाल
20	उन्नत नर्सिंग देखभाल सामग्री	—	
21	ढक्कन के साथ कटोरे 10 सेमी	10	विभिन्न प्रक्रियाओं के

क्र.सं.	कौशल प्रयोगशाला के लिये आवश्यक वस्तु	संख्या	कौशल
22	कटोरे 10 सेमी	10	लिये उपकरण
23	ढक्कन के साथ यंत्र ट्रे	10	
24	सादा धमनीय संदंश	10	
25	दांतेदार धमनीय संदंश	10	
26	सादा विच्छेदन संदंश	10	
27	दांतेदार विच्छेदन संदंश	10	
28	स्पंज पकड़ने वाला संदंश	10	
29	तौलिया क्लिप	20	
30	नवजात वक्ष मुद्रा के साथ स्टेथोस्कोप	10	एनआईसीयू में निगरानी हेतु उपकरण
31	गैर-आक्रामक रक्तचाप मॉनिटर	5	
32	पल्स ऑक्सीमीटर	5	
33	कक्ष थर्मामीटर	5	
34	यांत्रिक वजन माप यंत्र	5	
35	इलेक्ट्रॉनिक वजन माप यंत्र	5	
36	इंटुबैषेण हेड	5	पुनर्जीवन उपकरण
37	अपरिपक्व और परिपक्व नवजात शिशुओं के मुखौटे के साथ स्वतः फूलने वाला बैग	5	
38	पैर द्वारा संचालित सक्शन उपकरण/बलगम जाल	5	
39	ऑक्सीजन सिलेंडर	5	
40	ऑक्सीजन सांद्रक	5	
41	लेरिंगोस्कोप	5	
42	बाल चिकित्सा उपकरण सेट	5	अंबिलिकल वीनस कैथीटेराइजेशन
43	अंबिलिकल कैथेटर: एफजी 5.0 > 1000 ग्राम शिशु अथवा एफजी 5 आकार की फीडिंग ट्यूब यदि अंबिलिकल कैथेटर उपलब्ध नहीं हो	10 प्रत्येक	
44	अंतःशिरा प्रवेशनी: आकार एफजी 24	10	परिधीय अंतःशिराय

क्र.सं.	कौशल प्रयोगशाला के लिये आवश्यक वस्तु	संख्या	कौशल
45	इंट्रा-ओशियस निडल एफजी 18	10	कैन्युलेशन
46	त्वचा की तैयारी के लिये घोल	2	
47	तीन रास्ते वाली टूटी और विस्तार ट्यूबिंग 0.9% सोडियम क्लोराइड के साथ साफ की हुई	5	
48	आर्म बोर्ड	5	
49	सीरिज: 2 मिली, 5 मिली, 10 मिली और 20 मिली	10 प्रत्येक	औषधि और द्रव प्रशासन
50	सुइयां: एफजी 19, एफजी 21, एफजी 23, एफजी 25 और ब्लंट ड्राइंग अप सुइयां	10 प्रत्येक	
51	एड्रेनालाईन 1 : 10,000 सांद्रता (0.1 मिलीग्राम/मिलीलीटर)	5	
52	मात्रा विस्तारक: 0.9% सोडियम क्लोराइड	5	
53	आईवी कैनुला (24 जी, 26 जी)	5 प्रत्येक	
54	बीटी सेट	20	रक्ताधान
55	साधारण लवणयुक्त घोल	20	
56	रक्त/रक्त घटक सिम्युलेटर	20	
57	रक्त बैग कैरिज/कंटेनर	05	
58	अंतःशिरा प्रवेशनी 16/18 एफ	30	
59	आधान के लिये आईवी सिम्युलेटर बांह	01	
60	मानक सुरक्षा उपकरण	20 सैट	संक्रमण नियंत्रण
61	आहार की तैयारी के लिये पोषण प्रयोगशाला	01	
62	बैरियर नर्सिंग इकाई	01	
63	हाथ धोने का क्षेत्र	01	
64	बायोमेडिकल अपशिष्ट निपटान इकाई	01	
65	रिकॉर्ड्स (सहमति फॉर्म, क्लिनिकल चार्ट, नर्स नोट)	—	रिकॉर्डिंग
66	एलसीडी टीवी	01	वीडियो की सहायता से प्रदर्शन का
67	माता-पिता के लिये स्वास्थ्य शिक्षण मॉड्यूल	—	स्वास्थ्य शिक्षण

परिशिष्ट-2

मूल्यांकन दिशानिर्देश (सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक)

1. सैद्धांतिक

क) आंतरिक मूल्यांकन

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग 1 : नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-1 इंकलुडिंग फाउंडेशंस और भाग 2 : नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-2) – कुल अंक : 25

- प्रश्न पत्र और प्रश्नोत्तरी – 10 अंक
- लिखित कार्य – 10 अंक (नियोनेटल नर्सिंग अभ्यास से प्रासंगिक नैतिक आचार संहिता, नियोनेटल नर्सिंग/संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं में साक्ष्य आधारित कार्य (ईबीपी) पर साहित्यिक समीक्षा, नवजात शिशु की पोषण संबंधी देखभाल)
- सामूहिक परियोजना – 5 अंक

ख) बाह्य/अंतिम परीक्षा

नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग (भाग 1 : नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-1 इंकलुडिंग फाउंडेशंस और भाग 2 : नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग-2) – कुल अंक : 75

भाग 1 – 35 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 4 × 4 = 16 अंक, अति लघु उत्तर 2 × 2 = 4 अंक) और भाग 2 – 40 अंक (निबंध 1 × 15 = 15 अंक, लघु उत्तर 5 × 4 = 20 अंक, अति लघु उत्तर 5 × 1 = 5 अंक)

2. प्रायोगिक

क) आंतरिक मूल्यांकन – 75 अंक

- वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 25 अंक (पदस्थापन के अंत में ओएससीई – 10 अंक + वर्ष के अंत में आंतरिक ओएससीई – 15 अंक)
- अन्य अभ्यास : 50 अंक
 - क) प्रायोगिक कार्य – 20 अंक (नैदानिक प्रस्तुति और केस स्टडी रिपोर्ट – 5 अंक, परामर्श रिपोर्ट/दौरों की रिपोर्ट – 5 अंक, औषधि अध्ययन रिपोर्ट – 5 अंक और स्वास्थ्य परिचर्चा – 5 अंक)
 - ख) कार्यविधिक दक्षताओं और नैदानिक अर्हताओं के पूर्ण होने पर – 5 अंक
 - ग) नैदानिक कार्य निष्पादन का निरंतर नैदानिक मूल्यांकन – 5 अंक
 - घ) अंतिम अवलोकित अभ्यास परीक्षा (नैदानिक कार्य में वास्तविक निष्पादन) – 20 अंक

ख) बाह्य/अंतिम परीक्षा – 150 अंक

वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षा (ओएससीई) – 50 अंक, अवलोकित अभ्यास – 100 अंक

विस्तृत दिशानिर्देश मार्गदर्शन पुस्तिका में दिये गये हैं।

परिशिष्ट-3

नैदानिक लॉग बुक

(विशिष्ट कार्यविधिक दक्षताएं/नैदानिक नर्सिंग कौशल)

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
I	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग के मूल आधार		
1	पैतृक प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	पी	
2	नैदानिक स्थितियों वाले नवजात शिशुओं के माता-पिता के लिए प्रशिक्षण योजना	पी	

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
3	नर्सिंग अधिकारियों/स्टाफ नर्सों के लिये ड्यूटी रोस्टर तैयार करना	पी	
4	साहित्यिक समीक्षा लेखन/व्यवस्थित समीक्षा (साक्ष्य आधारित नर्सिंग मध्यवर्तन/प्रथाओं की पहचान करना)	पी	
5	प्रकाशन/पेपर प्रेजेंटेशन के लिये पांडुलिपि तैयार करना	पी	
6	सामूहिक शोध परियोजना विषय:	पी	
II	नियोनेटल स्पेशियलिटी नर्सिंग		
1	स्वास्थ्य आंकलन		
1.1	पूर्ववृत्त की जानकारी लेना	पी	
1.2	नवजात शिशु की जांच करना	पी	
2	नैदानिक प्रक्रियाएं		
2.1	इकोकार्डियोग्राम, सिर का अल्ट्रासाउंड	ओ	
2.2	आरओपी स्क्रीनिंग (रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी)	ए	
2.3	उन्नत नवजात जीवन समर्थन	ए	
2.4	लम्बर पंक्चर	ए	
2.5	आर्टिरियल ब्लड गैस	ए	
2.6	ईसीजी रिकॉर्डिंग	ए	
2.7	आर्टिरियल बीपी निगरानी	ए	
3	नवजात गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू)		
3.1	गर्भकालीन आयु का आंकलन	पी	
3.2	खतरनाक जन्मजात असामान्यताओं का पता लगाना	पी	
3.3	पीलिया का आंकलन	पी	
3.4	वेंटिलेटर तैयार करना	पी	
3.5	रेडिएंट वार्मर और इन्क्यूबेटर का उपयोग, फोटोथेरेपी	पी	
3.6	लामिनार प्रवाह का उपयोग	पी	
3.7	संक्रमण रोकथाम प्रक्रियाएं: – हाथ धोना – कीटाणुनाशक और रोगाणुनाशक – निगरानी – धूमन	पी	
3.8	टीपीएन	पी	
4	नवजात शल्यचिकित्सीय वार्ड		
4.1	ऑक्सीजन थेरेपी	पी	
4.2	सीपीएपी (निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव)	पी	
4.3	ट्रेकियोस्टोमी की देखभाल	पी	
4.4	एंडोट्रैचियल इंट्यूबेशन	ए	
4.5	ओजी (ओरोगैस्ट्रिक) ट्यूब लगाना	पी	
4.6	नली द्वारा दूध पिलाना (गैवेज फीडिंग)	पी	
4.7	गैस्ट्रिक लैवेज	पी	
4.8	विभिन्न तरीकों से औषधि देना	पी	
4.9	आईवी कैन्जुलेशन और फिक्सेशन	पी	
4.10	इनफ्यूजन पंप	पी	
4.11	औषधि की मात्रा निर्धारण	पी	

क्र.सं.	विशिष्ट दक्षताएं/कौशल	संपादित/सहायता प्रदान/अवलोकन किये गये – संख्या (पी/ए/ओ)	संकाय/प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर एवं दिनांक
4.12	रक्ताधान	पी	
4.13	नमूना संग्रहण	पी	
5	प्रसूति कक्ष (नवजात देखभाल कॉर्नर)		
5.1	नवजात पुनर्जीवन	ए	
5.2	नवजात शिशु की तात्कालिक देखभाल	पी	
5.3	अपगर स्कोरिंग	पी	
5.4	नवजात शिशु का वजन लेना	पी	
5.5	विटामिन के देना	पी	
5.6	केएमसी	पी	
5.7	त्वचीय संपर्क	पी	
5.8	स्तनपान	पी	
6	प्रसवोत्तर वार्ड		
6.1	एंथ्रोपोमेट्रिक आंकलन	पी	
6.2	नवजात शिशु की जांच	पी	
6.3	स्तनपान और स्तन-पान परामर्श	पी	
6.4	आहार देने के कृत्रिम तरीके	पी	

*छात्र के कौशल प्रदर्शन करने के लिये सक्षम पाये जाने पर इस पर संकाय द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे।

छात्र: छात्रों से सूचीबद्ध कौशल/दक्षताओं का संपादन बार-बार करना तब तक अपेक्षित है जब तक कि वे स्तर-3 की दक्षता तक नहीं पहुंच जाते हैं, उसी के बाद संकाय द्वारा प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जाएंगे।

संकाय: यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि छात्रों के स्तर-3 तक पहुंचने पर ही प्रत्येक दक्षता के समक्ष हस्ताक्षर किये जाएं।

- स्तर-3 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र बिना किसी पर्यवेक्षण के उस दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर-2 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ प्रत्येक दक्षता का संपादन करने में सक्षम है।
- स्तर-1 की योग्यता दर्शाती है कि छात्र पर्यवेक्षण के साथ भी उस कौशल/दक्षता का संपादन करने में सक्षम नहीं है।

परिशिष्ट-4

नैदानिक अर्हताएं

क्र.सं.	नैदानिक अर्हताएं	दिनांक	संकाय/प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर
1	स्वास्थ्य परिचर्चा (बाह्य रोगी विभाग, वार्ड/केएमसी वार्ड)		
1.1	विषय:		
1.2	विषय:		
2	माता-पिता और परिजनों को परामर्श देना परामर्श रिपोर्ट – 1		
3	स्वास्थ्य आंकलन		
3.1	गर्भावस्था आयु का आंकलन		

क्र.सं.	नैदानिक अर्हताएं	दिनांक	संकाय/प्रीसेप्टर के हस्ताक्षर
	पूर्ववृत्त लेना और नवजात शिशु की जांच (दो लिखित रिपोर्ट) 3.1.1. सामान्य नवजात शिशु 3.1.2. बीमार नवजात शिशु		
4	जर्नल क्लब/नैदानिक संगोष्ठी विषय:		
5	वृत्त अध्ययन/नैदानिक प्रस्तुति और रिपोर्ट – नवजात चिकित्सीय वार्ड – 1 और नवजात शल्यचिकित्सीय वार्ड – (नर्सिंग/अंतःविषयक दौरे)		
5.1	नैदानिक स्थिति का नाम		
5.2	नैदानिक स्थिति का नाम		
6	औषधि अध्ययन, प्रस्तुति और रिपोर्ट (दो लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी हैं)		
6.1	औषधि का नाम:		
6.2			
6.3			
6.4			
7	एनआईसीयू/केएमसी वार्ड की रूपरेखा तैयार करना		
8	दौरे की रिपोर्ट		
	8.1. राष्ट्रीय/क्षेत्रीय एसएनसीयू 8.2. राष्ट्रीय/क्षेत्रीय मानव दुग्ध बैंक		

कार्यक्रम समन्वयक/संकाय के हस्ताक्षर

विभागाध्यक्ष/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

नैदानिक अनुभव विवरण

[illegible]

विभागाध्यक्ष/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

[વિજ્ઞાપન-III / 4 / અસા. / 517 / 2020-21]

INDIAN NURSING COUNCIL**NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd February, 2021

F.No. 11-1/2019-INC.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 16 of Indian Nursing Council Act, 1947 (XLVIII of 1947), as amended from time to time, the Indian Nursing Council hereby makes the following regulations, namely:—

1. Short Title and Commencement

- i. These Regulations may be called **Indian Nursing Council (Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing – Residency Program), Regulations, 2020.**
- ii. These Regulations shall come into force on the date of notification of the same in the Official Gazette of India.

2. Definitions

In these Regulations, unless the context otherwise requires,

- i. ‘the Act’ means the Indian Nursing Council Act, 1947 (XLVIII of 1947) as amended from time to time;
- ii. ‘the Council’ means the Indian Nursing Council constituted under the Act;
- iii. ‘SNRC’ means the State Nurse and Midwives Registration Council, by whichever name constituted, by the respective State Governments;
- iv. ‘RN&RM’ means a Registered Nurse and Registered Midwife (RN&RM) and denotes a nurse who has completed successfully, recognised Bachelor of Nursing (B.Sc. Nursing) or Diploma in General Nursing and Midwifery (GNM) course, as prescribed by the Council and is registered in a SNRC as Registered Nurse and Registered Midwife;
- v. ‘Nurses Registration & Tracking System (NRTS)’ means a system developed by Indian Nursing Council and software developed in association with National Informatics Centre (NIC), Government of India, and hosted by NIC for the purpose of maintenance and operation of the Indian Nurses Register. It has standardised forms for collection of the data of Registered Nurse and Registered Midwife (RN&RM)/Registered Auxiliary Nurse Midwife (RANM)/Registered Lady Health Visitor (RLHV) upon Aadhar based biometric authentication;
- vi. ‘NUID’ is the Nurses Unique Identification Number given to the registrants in the NRTS system;
- vii. ‘General Nursing and Midwifery (GNM)’ means Diploma in General Nursing and Midwifery qualification recognized by the Council under Section 10 of the Act and included in Part-I of the Schedule of the Act.

POST BASIC DIPLOMA IN NEONATAL SPECIALTY NURSING – RESIDENCY PROGRAM 2020**I. INTRODUCTION**

The National Health Policy document (NHP, 2017) emphasizes the need to expand tertiary care services, prepare specialist nurses and standardization of clinical training for nurses. Responding to this, the Council planned to redesign the existing specialty nursing programs making it as a one-year post basic diploma residency programs utilizing competency-based training approach. Neonatal nursing is a new specialty prepared by the Council using revised guidelines that aim to prepare specialist nurses who can provide competent care to neonates with various medical and surgical conditions in which diagnostic, treatment, and care needs are complex and intensive.

India faces the biggest newborn health challenge in the world. The country is on the threshold of a neonatal survival revolution with the concerted efforts of the Government of India and professional bodies aimed at bringing about a reduction in Infant Mortality Rate (IMR) and Neonate Mortality Rate (NMR). The specialized newborn care facilities have grown rapidly during the last two decades. A number of level II special care units and Neonatal Intensive Care Units (NICU’s) have been established in teaching as well as corporate hospitals.

The above revolution in newborn care demands adequate number of nurses specially trained in neonatal nursing who will function as neonatal specialist nurses. Therefore, it is essential for the health care system to meet such needs effectively. In this context, it is highly significant to strengthen or establish education and training programs to prepare super-specialty nurses for tertiary care institutions, who can provide safe, competent and compassionate care to neonates.

II. PHILOSOPHY

The Council believes that registered nurses need to be further trained as specialist nurses to function in various emerging speciality areas of practice and the training should be competency based. One such area that demands specialist nurses is Neonatal Nursing. Expanding roles of nurses and advances in technology necessitates additional training to prepare them for effective participation in neonatal care within their scope of practice.

III. CURRICULAR FRAMEWORK

The Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing education is a one-year residency program and its curriculum is conceptualized encompassing foundational short courses and major specialty courses for specialty nursing practice.

The foundations to Neonatal Nursing practice such as Professionalism, Communication & parental education, Clinical leadership & resource management, and Evidence based & applied research are short courses that aim to provide the students with the knowledge, attitude and competencies essential to function as accountable, committed, safe and competent specialist nurses. The major specialty courses are organized under Neonatal Specialty Nursing I and Neonatal Specialty Nursing II.

Specialty Nursing I includes Applied Anatomy and Physiology, Embryology, Pharmacology, Genetics, Community Health, Obstetrics, Neonatal Advance Life Support. Specialty Nursing II includes feeding of normal and low birth weight babies, policies and procedures for prevention of infections in NICU, nursing management of common medical and surgical problems in neonates and role of neonatal nurses in various investigations and procedures carried out on neonates. The curricular framework for the Neonatal Specialty Nursing – Residency Program is illustrated in the following figure-1.

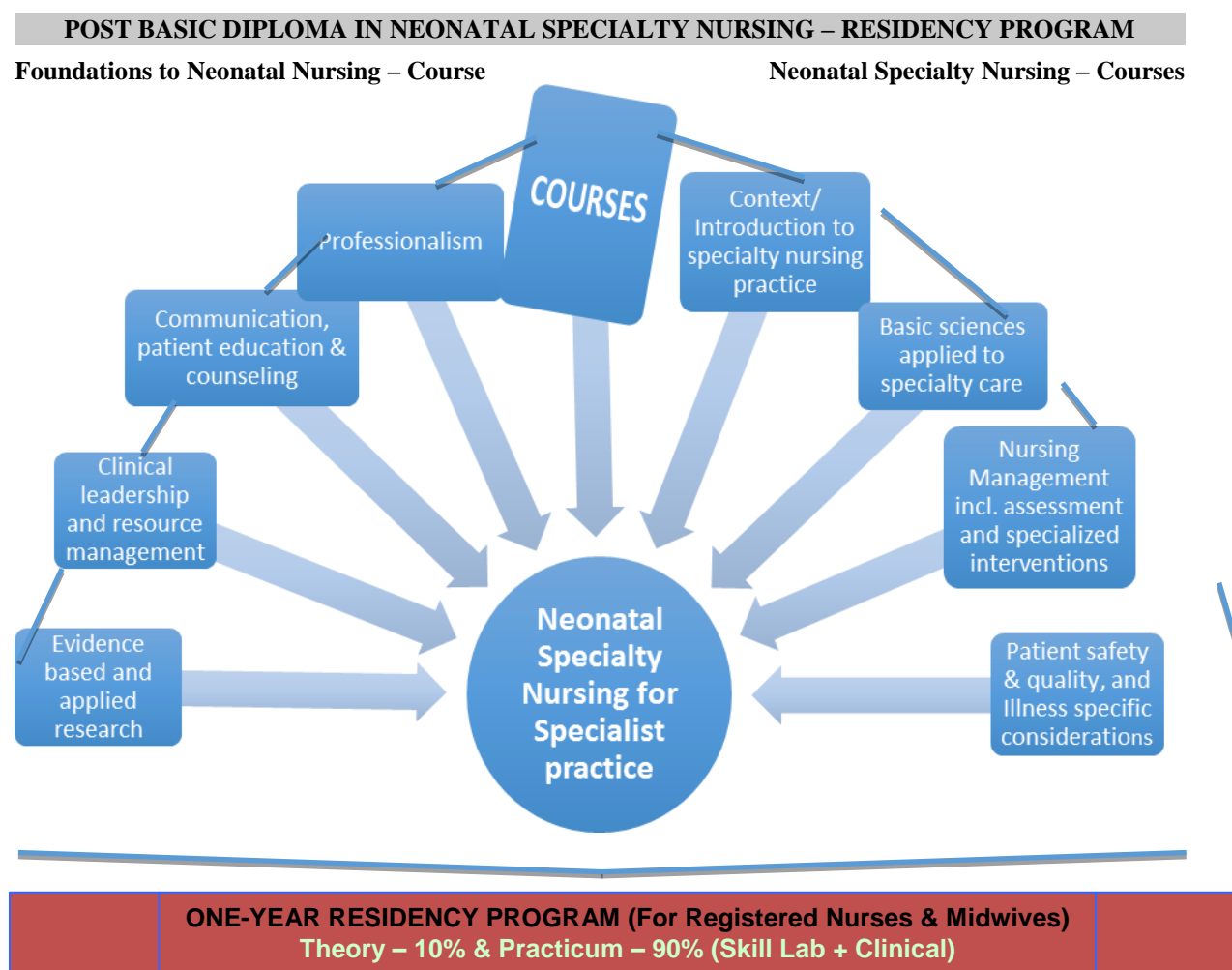


Figure 1. Curricular Framework: Neonatal Specialty Nursing – Residency Program

IV. AIM/PURPOSE & COMPETENCIES

AIM/PURPOSE

The program is designed to prepare nurses with specialized skills, knowledge and attitude in providing quality care to neonates with neonatal disorders. It further aims to prepare technically qualified and trained specialist nurses who will function effectively and optimally at Neonatal care units of Tertiary/Quaternary hospitals providing high standards of care.

COMPETENCIES

On completion of the program, the neonatal specialist nurse will be able to:

1. Demonstrate professional accountability for the delivery of nursing care as per the Council standards that is consistent with moral, altruistic, legal, ethical, regulatory and humanistic principles in neonatal nursing practice.
2. Communicate effectively with parents, families and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes.
3. Educate and counsel parents and families to participate effectively in treatment and care and enhance their coping abilities through crisis and bereavement.
4. Demonstrate understanding of clinical leadership and resource management strategies and use them in neonatal care and settings promoting collaborative and effective teamwork.
5. Identify, evaluate and use the best current evidence in neonatal care and treatment coupled with clinical expertise and consideration of patient's preferences, experience and values to make practical decisions in neonatal nursing practice.
6. Participate in research studies that contribute to evidence-based neonatal nursing care interventions with basic understanding of research process.
7. Apply basic sciences in the assessment, diagnosis and treatment of the physiological, physical, psychological, social and spiritual problems of neonates with neonatal disorders and their families.
8. Apply nursing process in caring for neonates with neonatal disorders.
9. Describe the principles of fluid, electrolyte, nutrition and elimination management, developmental supportive care, pain management, infant temperature management in treatment of neonates with neonatal disorders.
10. Demonstrate specialized practice competencies/skills relevant in providing care to neonates under different treatment regimes.
11. Demonstrate skill in managing neonates undergoing various surgeries.
12. Identify treatment related adverse effects and emergencies and manage them effectively.
13. Understand the method of drug procurement, storage, administering and maintenance of neonatal equipment, exchange transfusion, immune therapy and demonstrate sound practice.
14. Understand the maintenance of special equipment such as radiant warmer, pulse oximeter, phototherapy, oxygen concentrator, weighing scale, infusion pump, resuscitation bag, glucometer, suction machine, etc.
15. Demonstrate empathy and humane approach towards neonates and their families.
16. Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in neonatal units/centres.
17. Provide palliative care to neonates with emphasis to end of life care and bereavement management promoting comfort and dignity respecting individual cultural and spiritual needs and differences.

V. PROGRAM DESCRIPTION & SCOPE OF PRACTICE

The Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing program is a one-year residency program with main focus on competency-based training. Theory includes foundational courses and specialty courses besides practicum. The theory component comprises 10% and practicum 90% (Lab and Clinical).

On completion of the program and certification, and registration as additional qualification with respective SNRC, the neonatal specialist nurses should be employed only in the specialty hospital/department/unit as neonatal specialist nurses. They will be able to practice as per the competencies trained during the program particularly the specialized procedural competencies/clinical skills as per the logbook of the Council syllabus. The specialist nurses can be privileged to practice those specialized procedural competencies by the respective institution as per institution protocols. Specialist nurse cadre/positions should be created at government/public/private sectors. The diploma will be awarded by respective **Examination Board/SNRC/University approved by the Council.**

VI. MINIMUM REQUIREMENTS/GUIDELINES FOR STARTING THE POST BASIC DIPLOMA IN NEONATAL SPECIALTY NURSING – RESIDENCY PROGRAM

1. The program may be offered at

- a. College of Nursing offering degree programs in nursing attached to parent specialty hospital/tertiary hospital having a minimum of 200 beds with diagnostic, therapeutic and state of the art neonatal units with optimum neonatal supportive care and specialized nursing care facilities.

OR

Hospitals offering DNB/Fellowship programs in neonatology having minimum of 200 beds with diagnostic, therapeutic and state of the art neonatal units with optimum neonatal supportive care and specialized nursing care facilities.

- b. The above eligible institution shall get recognition from the concerned SNRC for Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing for the particular academic year, which is a mandatory requirement.
- c. The Council shall after receipt of the above documents/proposal would then conduct statutory inspection of the recognized training nursing institution under Section 13 of the Act in order to assess the suitability with regard to availability of teaching faculty, clinical and infrastructural facilities in conformity with Regulations framed under the provisions of the Act.

2. Nursing Teaching Faculty

- a. Full time teaching faculty in the ratio of 1 : 10.
- b. Minimum number of faculty should be two.
- c. *Qualification and Number:*
 - i. M.Sc. Nursing with Child Health Nursing Speciality – 1
 - ii. Post Basic Diploma in respective nursing specialty with Basic B.Sc. (Nursing)/P.B.B.Sc. (Nursing) – 1
- d. *Experience:* Minimum three years of clinical experience in neonatal specialty nursing
- e. *Guest Faculty:* Multi-disciplinary in related specialities
- f. *Preceptors:*
 - *Nursing Preceptor:* Full time qualified GNM with 6 years of experience in specialty care nursing (Neonatal nursing) or B.Sc. (Nursing) with 2 years' experience in specialty nursing or M.Sc. (Nursing) with one year neonatal specialty nursing experience working in the neonatal specialty care unit.
 - *Medical Preceptor:* Specialist (Neonatologist) doctor with PG qualification (with 3 years post PG experience/faculty level/consultant level preferable)
 - *Preceptor Student Ratio:* **Nursing** 1 : 10, **Medical** 1 : 10 (Every student must have a medical and nursing preceptor)

3. Budget

There should be budgetary provision for staff salary, honorariums for guest faculty, and part time teachers, clerical assistance, library and contingency expenditure for the program in the overall budget of the institution.

4. Physical and Learning Resources at Hospital/College

- a. One classroom/conference room at the clinical area.
- b. Skill lab for simulated learning at hospital/college. **Skill Lab requirements are listed in Appendix-1.**
- c. Library and computer facilities with access to online journals.
 - i. College library having current books, journals and periodicals related to respective nursing specialty, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.

OR

Permission to use medical college/hospital library having current books, journals and periodicals related to respective nursing specialty, Nursing Administration, Nursing Education, Nursing Research and Statistics.

- ii. Computer with internet facility.
- d. E-Learning facilities.

- e. Teaching Aids – Facilities for use of:
 - i. Overhead Projectors,
 - ii. Video viewing facility,
 - iii. LCD Projector,
 - iv. CDs, DVDs and DVD players.
 - v. Appropriate equipment, manikins and simulators for skill learning.
- f. Office facilities:
 - i. Services of typist, peon, Safai Karamchari
 - ii. Facilities for office, equipment and supplies such as
 - Stationery,
 - Computer with printer,
 - Xerox machine,
 - Telephone and Fax.

5. Clinical Facilities

- a. Parent specialty hospital/tertiary hospital having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art neonatal units with optimum neonatal supportive care and specialized nursing care facilities.
- b. Regional centres/Neonatal specialty hospitals having minimum of 200 beds with advanced diagnostic, therapeutic and state of the art neonatal units with optimum neonatal supportive care and specialized nursing care facilities.
- c. Hospital must have a minimum of 20 specialty beds (Level 2 & 3) with advanced diagnostic, treatment and care facilities.
- d. Nurse staffing of units as per the Council recommended norms.
- e. Student patient ratio: 1 : 2-3

6. Admission Terms and Conditions/Entry Requirements

The student seeking admission to this program should:

- a. Be a registered nurse (RN&RM) or equivalent with any SNRC having NUID number.
- b. Possess a minimum of one year clinical experience as a staff nurse preferably in the neonatal unit prior to enrolment.
- c. Be physically fit.
- d. Selection must be based on the merit obtained in entrance examination and interview held by the competent authority.
- e. Nurses from other countries must obtain an equivalence certificate from the Council before admission.

7. Number of Seats

For hospital having 200 beds and 10-20 NICU beds, number of seats = 5-10,

For hospital having 500 beds or more and with 20 or more NICU beds, the number of seats = 10-20.

8. Number of Candidates

1 candidate for 2-3 specialty beds.

9. Salary

- a. In-service candidates will get regular salary.
- b. Stipend/Salary for the other candidates will be given as per the salary structure of the hospital where the program is conducted.

VII. EXAMINATION REGULATIONS AND CERTIFICATION

EXAMINATION REGULATIONS

Examining and Diploma Awarding Authority: Respective Examination Board/SNRC/University approved by the Council.

1. Eligibility for Appearing in the Examination

- a. Attendance: Theory & Practical: 80%. However, 100% Clinical attendance have to be completed prior to certification.
- b. Candidate who successfully completes the necessary requirements such as Log Book and clinical requirements is eligible and can appear for final examination.

2. Practical Examination

- a. OSCE: Objective Structured Clinical Examination (OSCE) type of examination (for Basic Competency Assessment) will be conducted alongside viva (oral examination) both in the internal and final examination. (Detailed guidelines are given in guidebook.)
- b. Observed Practical/Clinical: Final internal and external examination will also include assessment of actual clinical performance in real settings including viva and mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (Nursing process application and direct observation of procedural competencies). Minimum period of assessment in the clinical area is 5-6 hours. (Evaluation guidelines are given in guidebook.)
- c. Maximum number of students per day = 10 students.
- d. Practical Examination should be held in clinical area only.
- e. The team of practical examiners will include one internal examiner {(M.Sc. faculty with two years of experience in teaching the respective specialty program/M.Sc. faculty (Child Health Nursing) with 5 years of Post PG experience}, one external examiner (nursing faculty with the same qualification and experience stated as above) and one medical internal examiner who should be preceptor for specialty program.
- f. The practical examiner and the theory examiner should be the same nursing faculty.

3. Standard of Passing

- a. In order to pass, a candidate should obtain at least 60% marks in aggregate of internal assessment and external examination both together, in each of the theory and practical papers. Less than 60% is considered fail.
- b. Students will be given opportunity of maximum of 3 attempts for passing.
- c. If the student fails in either theory or practical, he/she needs to appear for the exam failed either theory or practical only.

4. Certification

- a. TITLE: Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing
- b. A diploma is awarded by Examination Board/SNRC/University approved by the Council, upon successful completion of the prescribed study program, which will state that
 - i. Candidate has completed all the courses of study under the Post Basic Diploma in Neonatal Specialty Nursing – Residency Program
 - ii. Candidate has completed 80% theory and 100% clinical requirements
 - iii. Candidate has passed the prescribed examination.

VIII. SCHEME OF EXAMINATION

Courses	Int. Ass. Marks	Ext. Ass. Marks	Total Marks	Exam Hours (External)
Theory (Experiential/Residential Learning)	25 (10+15)	75 (35+40)	100	3
Neonatal Specialty Nursing (Part I and Part II) {Part I: Neonatal Specialty Nursing I including Foundations, Part II: Neonatal Specialty Nursing II}				
Practicum: Neonatal Specialty Nursing	75 (25+50) (OSCE & Observed Practical)	150 (50+100) (OSCE & Observed Practical)	225	Minimum 5-6 hours in the clinical area
<ul style="list-style-type: none"> • OSCE including Viva • Observed Practical/Clinical (Direct observation of actual performance at real settings) including viva – mini clinical evaluation exercise for 3-4 hours (Nursing process application and direct observation of procedural competencies) 				
Grand Total	100	225	325	

IX. PROGRAM ORGANIZATION/STRUCTURE

1. Courses of Instruction
2. Implementation of Curriculum
3. Clinical Practice (Residency Posting)
4. Teaching Methods
5. Methods of Assessment
6. Clinical Log Book and Procedures Book

1. Courses of Instruction – Delivered through mastery of learning (Skill Lab Practice) and experiential learning (including Clinical Practice) approaches

S.No.	Courses	Theory (Hours)	Lab/Skill Lab (Hours)	Clinical (Hours)
I	Foundations to Neonatal Specialty Nursing Practice 1. Professionalism 2. Communication, parent education and counselling in specialty nursing 3. Clinical leadership and resource management in the specialty care setting 4. Evidence based and applied research in specialty nursing	40		
II	Neonatal Specialty Nursing Courses Neonatal Specialty Nursing I 1. Context/Introduction to specialty nursing 2. Basic sciences applied to specialty care: diagnosis and treatment of clinical conditions (Anatomy & Physiology, Microbiology, Pharmacology & Pathophysiology)	50	10	
	Neonatal Specialty Nursing II 3. Nursing management of clinical conditions including assessment, diagnosis, treatment and specialized interventions 4. Patient safety and quality 5. Specialty/Illness specific considerations (Developmental Supportive care/palliative care/rehabilitation, Impact of illness on parents, family and community)	110	30	1730
TOTAL = 1970 hours		200 (5 weeks)	40 (1 week)	1730 (38 weeks)

Total weeks available in a year: 52 weeks

- Annual Leave + Casual Leave + Sick Leave + Public Holidays = 6 weeks
- Exam Preparation and Exam = 2 weeks
- Theory and Practical = 44 weeks

2. Implementation of the Curriculum (Theory: 10% and Practicum: 90%)

Block Classes – 2 weeks × 40 hours per week = 80 hours

Residency – 42 weeks × 45 hours per week = 1890 hours

Total = 1970 hours

- Block Classes: Theory and Skill Lab Experience = 2 weeks × 40 hours per week (80 hours)
(Theory = 74 hours, Skill Lab = 6 hours, Total = 80 hours)
- Clinical Practice including Theory and Skill Lab = 42 weeks × 45 hours per week (1890 hours)
(Theory = 126 hours, Skill Lab = 34 hours, Clinical = 1730 hours, Total = 1890 hours)
Theory = 200 (74 + 126) hours, Skill Lab = 40 (6 + 34) hours, Clinical = 1730 hours.

126 hours of theory and 34 hours of skill lab learning can be integrated during clinical experience. Mastery learning and experiential learning approaches are used in training the students throughout the program. Skill lab requirements are listed in Appendix 1.

3. Clinical Practice (Residency Posting)

Clinical Residency Experience: A minimum of 45 hours per week is prescribed, however, it is flexible with different shifts and OFF followed by on call duty every week or fortnight.

Clinical Placements: The students will be posted to the undermentioned clinical areas during their training period.

S.No.	Clinical Area	Week	Remarks
1	Neonatal Intensive Care Unit	12	Postings in Own Neonatal specialty hospital/ Neonatal care units
2	Post-natal Ward	04	
3	KMC Ward/Human Milk Bank	04	
4.	Labour Room (Newborn Care Corner)	04	
5.	OPD	04	
6.	Neonatal Surgical Ward	10	
7.	Reputed Neonatal Centers	04	Attachment/visits
	TOTAL	42	

The residency students will follow the same duty schedule as staff nurses/nursing officers with different shift duties. In addition to that, for 40 weeks, 4 hours every week is dedicated for their learning that can be offered for theory and skill lab practice (For example: faculty lecture – 1 hour, nursing & interdisciplinary rounds – 1 hour, clinical presentations, case study report and clinical assignments – 1 hour and skill lab practice – 1 hour) to cover a total of 126 hours of theory and 34 hours of skill lab practice. A small group research project (Research/QI) can be conducted during clinical posting applying the steps of research process and written report to be submitted.

4. Teaching Methods

Theoretical, Skill Lab and Clinical teaching can be done in the following methods and integrated during clinical posting:

- Case/Clinical presentation and case study report
- Drug study and presentation
- Bedside clinic/Nursing rounds/Interdisciplinary rounds
- Journal clubs/Clinical seminar
- Faculty lecture and Discussion in the clinical area
- Demonstration and skill training in skill lab and at bedside

- Directed reading/Self-study
- Role play
- Symposium/Group presentation
- Group research project – Research/QI
- Clinical assignments
- Parental involvement and empowerment exercise (engaging parents in care decisions of neonates to improve health outcomes using information technology) for example, discharge planning, follow up and home-based care.
- Educational visits to regional Level II & III NICU, KMC unit and Human milk banks.

5. Method of Assessment

- Written test (Case or scenario based)
- Practical examination: OSCE and Observed Practical (Direct observation of actual clinical performance at real settings)
- Written assignments
- Project
- Case studies/care plans/clinical presentation/drug study
- Clinical performance evaluation
- Completion of clinical procedural competencies and clinical requirements

For assessment guidelines refer Appendix-2

6. Clinical Log Book/Procedures Book

At the end of each clinical posting, Clinical Log Book (Specific Procedural Competencies/Clinical Nursing Skills) (*Appendix 3*), Clinical Requirements (*Appendix 4*) and Clinical Experience Details (*Appendix 5*) have to be signed by the concerned clinical faculty/preceptor.

X. COURSE SYLLABUS

FOUNDATIONS TO NEONATAL SPECIALTY NURSING PRACTICE:

PROFESSIONALISM, COMMUNICATION, PARENTAL EDUCATION & COUNSELING, CLINICAL LEADERSHIP & RESOURCE MANAGEMENT AND EVIDENCE BASED AND APPLIED RESEARCH IN NEONATAL SPECIALTY NURSING PRACTICE

Total Theory: 40 Hours

Course description: This course is designed to develop an understanding of professionalism, communication, parental education and counselling; clinical leadership and resource management and evidence based and applied research in Neonatal nursing practice.

COURSE CONTENT

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning activities	Assessment methods
I	6	Demonstrate understanding of professionalism and exhibit professionalism in the practice of neonatal nursing.	Professionalism <ul style="list-style-type: none"> • Meaning and elements: Accountability, knowledgeable, visibility and ethical in neonatal specialty nursing practice • Professional values and professional behaviour • INC Code of ethics, code of professional conduct and practice standards • Ethical issues related to neonatal nursing • Expanding Role of Nurse – Neonatal Specialty Nurse/Nurse Practitioner • Professional organizations • Continuing nursing education 	<ul style="list-style-type: none"> • Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> • Write about code of ethics related to neonatal nursing

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning activities	Assessment methods
		Describe medico-legal aspects of neonatal nursing	Medico-Legal Issues <ul style="list-style-type: none"> Legislations and regulations related to neonatal nursing Consumer protection act Negligence and malpractice Medico-legal aspects Records and reports Legal responsibilities of neonatal specialist nurses 	<ul style="list-style-type: none"> Lecture cum Discussion 	<ul style="list-style-type: none"> Maintain record of patients
II	12	<p>Communicate effectively with parents of neonates, families and professional colleagues fostering mutual respect and shared decision making to enhance health outcomes</p> <p>Educate and counsel parents and families to participate effectively in treatment and care</p>	Communication <ul style="list-style-type: none"> Channels and Techniques of communication Breaking bad news to parents of neonates with medical & surgical disorders of poor prognosis Culturally sensitive communication Development of nursing care plans and records Information technology tools in support of communication Team communication Parental and Family Education <ul style="list-style-type: none"> Principles of teaching and learning Principles of health education Assessment of information and education needs of parents and family and education materials Counseling <ul style="list-style-type: none"> Counselling techniques Parent and family counselling during breaking bad news, intensive treatment, crisis intervention and end-of-life stage 	Module <ul style="list-style-type: none"> Lecture Breaking bad news – Role play Peer teaching Counseling sessions 	<ul style="list-style-type: none"> Digital records Conduct a group health education program for the parents of neonates with various disorders Prepare parental education materials on relevant topic for mass awareness
II	12	Demonstrate understanding of clinical leadership and management strategies and use them in neonatal care and settings promoting collaborative and effective teamwork	Clinical Leadership and Resource Management <ul style="list-style-type: none"> Leadership and Management Elements of management of Neonatal nursing care – planning, organizing, staffing, reporting, recording and budgeting Clinical leadership and its challenges Delegation Managing human resources in Neonatal units Material management Designing of an ideal Neonatal care unit Level II and Level III, KMC ward and Human milk banks Emotional intelligence and self-management skills Working as interdisciplinary team member Participation in making policies relevant 	<ul style="list-style-type: none"> Lecture 	<ul style="list-style-type: none"> Plan a duty roster for the junior nursing officers/Staff nurses working in the neonatology department/ unit Plan an ideal Neonatal care unit Level II and Level III, KMC ward and Human milk banks

Unit	Time (hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/ Learning activities	Assessment methods
		Prepare the Neonatal Care Units or Special Newborn Care Units (SNCU) Conduct clinical audit and participate in quality assurance activities in Neonatal units/ centres	to care of neonates • Organization of neonatal care units with various Neonatal disorders Quality Assurance Program in Neonatal Units/Centres • Nursing audit • Nursing standards Quality assurance	• Demo – Preparation of Neonatal Care unit or SNCUs. • Visit SNCU of any specialized Children Hospital • Modules • Accreditation and Practice Standards	• Assignment on designing of Special Neonatal Care unit/s • Develop SOPs for Neonatal wards and Special Neonatal care units
IV	10	Describe research process and perform basic statistical tests Conduct research project using principles and steps of research Apply evidence based/best practices in professional practice	Evidence based and application of research • Introduction to nursing research and research process • Data presentation, basic statistical tests and its application • Research priorities in Neonatal nursing • Formulation of problem/question that are relevant to Neonatal nursing practice • Review of literature to identify evidence based/best practices in Neonatal nursing practice • Implementation of evidence-based interventions in daily professional practice • Ethics in research	• Lecture Module: Writing of scientific paper	• Preparation of statistical data of Neonatal Department for last five years • Conduct literature review on neonatal nursing interventions • Group research project

NEONATAL SPECIALTY NURSING – I

CONTEXT/INTRODUCTION TO NEONATAL NURSING & BASIC SCIENCES APPLIED TO NEONATAL NURSING PRACTICE

(Psychology & Sociology, Anatomy & Physiology, Genetics, Community Health, Pharmacology, Obstetrics, Embryology, Neonatal Advance Life Support)

Theory: 50 hours and Lab: 10 hours

Course description: This course is designed to help students to develop understanding and in-depth knowledge regarding the context of neonatal care provision and application of basic sciences in the diagnosis and treatment of neonates suffering from various medical and surgical disorders.

COURSE CONTENT

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
I	2 (T)	Describe epidemiology of common Neonatal disorders, risk identification and reduction strategies	• Epidemiology of neonatal disorders – Prevalence and statistics • Risk factors and identification • Risk reduction strategies	• Lecture cum Discussion	• Presentation of Statistics

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
II	8 (T) 2 (L)	Explain general concepts and principles of Neonatal nursing Role of Neonatal specialist nurses	Introduction to Neonatal Nursing <ul style="list-style-type: none"> • Definition, concepts and principles of neonatal nursing • Attributes of a neonatal nurse • Levels of neonatal care and role of nurse • Criteria for admission to NICU • Nursing process • Role of Neonatal specialist nurses • Scope of Neonatal nursing practice 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion • Visit to Level II and Level III Neonatal Care Units 	<ul style="list-style-type: none"> • टपेपज त्मवतज
III	5 (T)	Explain Psychosocial aspects in Neonatal Nursing care	Psychology <ul style="list-style-type: none"> • Individual differences • Learning, motivation, attention & perception • Emotions • Human behavior & needs in crisis • Stress & coping in crisis situations • Leadership • Communication and IPR • Attitude and humanizing care • Guidance & Counseling Sociology <ul style="list-style-type: none"> • Social organization & community resources • Leadership roles in community • Family and family relationship • Socio-cultural influences on child rearing 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion • Counseling – Review steps 	<ul style="list-style-type: none"> • Conduct counselling session
IV	4 (T) 2 (L)	Explain medical Surgical asepsis and infection control in Neonatal setup	Infection Control in Neonatal Setting <ul style="list-style-type: none"> • Immunity, Infection • Principles of asepsis, sterilization & disinfection • Diagnostic test and related nurse's responsibility • Standard safety measures • Biomedical waste management • Barrier Nursing & infection control practices 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Prepare SOP for Infection control in Neonatal unit • Written assignment: Infection control practices in Neonatal unit
V	8 (T) 2 (L)	Describe the basic anatomy and physiology of various systems	Review of Applied Anatomy and Physiology <ul style="list-style-type: none"> • Neurological system • Respiratory system • Cardiovascular system • Gastro intestinal system • Endocrine system • Musculoskeletal system • Genitourinary system • Reproductive system • Sensory organs 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Self-study • Demonstration at Laboratory 	<ul style="list-style-type: none"> • Quiz • Short answer

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
VI	6 (T)	Understand cellular basis of Neonatology. Explain genetic basis of Neonatology	Genetic Basis of Neonatology <ul style="list-style-type: none"> • Development of fetus from conception to birth • Fetal circulation • Meaning of genetics and heredity • Mendelian laws of inheritance • Genetic disorders <ol style="list-style-type: none"> 1. Chromosomal errors 2. Inborn errors of metabolism 3. Multifactorial disorders (sickle cell anemia, thalassemia, hemophilia) • Genetic counselling & Nurses' role in genetic counselling 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture 	<ul style="list-style-type: none"> • Prepare a model of fetal circulation • Conduct counselling session
VII	3 (T) 2 (L)	Understand various health services and programs for neonates	Community Health <ul style="list-style-type: none"> • Demography and family welfare – Definition, meaning, population trends – global and Indian Review <ul style="list-style-type: none"> • Maternal and child health services and programs <ul style="list-style-type: none"> - Organization of services - CSSM/RCH - Family welfare program • Health Education: concepts, principles, approaches and methods 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture • Visit to a District Hospital • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Visit report • Prepare, plan and give health education to the parents and families of neonates
VIII	6 (T)	Explain pharmacotherapy for different neonatal medical and surgical disorders	Applied Pharmacology <ul style="list-style-type: none"> • Analgesics/Anti-inflammatory agents • Antibiotics, antiseptics • Drug reaction & toxicity • Drugs used in neonatal resuscitation • Blood and blood components • Principles of drug administration • Role of nurses and care of drugs 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion • Drug presentation 	<ul style="list-style-type: none"> • Drug study
IX	8 (T) 2 (L)	Explain Feto-placental physiology. Understanding perinatology and care of normal newborn and high risk newborn in labour room	Obstetrics Review <ul style="list-style-type: none"> • Pregnancy <ul style="list-style-type: none"> - Normal & High risk - Obstetrical disorders • Labor <ul style="list-style-type: none"> - Normal & Abnormal - Risk factors for neonates in antenatal and intra-natal period • Normal newborn – immediate care in labor ward • High risk neonate – IUGR, post maturity, babies of high risk mothers • Drugs used in obstetrics and their implications for the fetus/neonate 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum Discussion • Case discussion/ presentation • Supervised Clinical practice 	<ul style="list-style-type: none"> • Case study evaluation • Assessment of skills with check list • Drug Study

NEONATAL SPECIALTY NURSING – II**NURSING MANAGEMENT OF CLINICAL CONDITIONS INCLUDING ASSESSMENT, DIAGNOSIS, TREATMENT & SPECIALIZED INTERVENTIONS, PATIENT SAFETY & QUALITY AND SPECIALTY/ILLNESS SPECIFIC CONSIDERATIONS
(SUPPORTIVE CARE/PALLIATIVE CARE/REHABILITATION)****Theory: 110 hours and Lab: 30 hours**

Course description: This course is designed to help students to develop knowledge and competencies required for assessment, diagnosis, treatment, nursing management, and supportive/palliative care to patients with various Neonatal disorders.

COURSE CONTENT

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
I	14 (T) 6 (L)	Explain and demonstrate skill in assessment of neonates Understanding normal adaptation and essential care of neonates	Normal Newborn <ul style="list-style-type: none"> • Definitions & terminology • Normal mother-baby relationship • Examination and Assessment of newborn • Recognition of danger signs in a newborn • Common minor neonatal disorders • Care of normal newborns • Immediate care • Routine care – Transition care • Daily care – Home care • Physiological adaptation of the neonate • Thermoregulation & prevention of hypothermia • Kangaroo Mother Care (KMC) 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum discussion • Demonstration on immediate care of newborn • Demonstrate the correct positioning and Care during KMC 	<ul style="list-style-type: none"> • Perform assessment of neonates in NICU and Neonatal wards • Write assessment report • Assessment of skills with the help of check-list
II	16 (T) 6 (L)	Understanding various methods of feeding and demonstrating correct methods of feeding the neonates	Methods of feeding Neonates <ul style="list-style-type: none"> • Physiology of breast and milk secretion • Principles of feeding & nutrition • Feeding of normal babies • Breast feeding & maintenance of lactation • Managing breast feeding problems • Feeding of LBW babies • Artificial feeding – Enteral, parenteral, Katori spoon, Gavage feeding • Total parenteral Nutrition (TPN) • Fluid & electrolyte balance & Fluid & electrolyte therapy 	<ul style="list-style-type: none"> • FBNC module (oral drills, videos, self-evaluation exercises) • Demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Assessment of skills with the help of Checklist • Return demonstration on patients
III	14 (T) 4 (L)	Develop skills in caring for low birth weight babies	Caring for Low Birth Weight Baby <ul style="list-style-type: none"> • Types of LBW • Etiology • Identification of preterm & small for date babies • Problems of preterm & small for date babies 	<ul style="list-style-type: none"> • Pre-term care package 	<ul style="list-style-type: none"> • Self-assessment • Write recent evidences in treating low birth weight newborns

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
			<ul style="list-style-type: none"> • Management: Principles, thermoregulation, feeding, monitoring, transportation, management of specific illnesses 		
IV	24 (T) 3 (L)	Describe etiology, pathophysiology, clinical manifestations, diagnosis and management of various medical disorders of neonates	Sick Neonate <ul style="list-style-type: none"> • Neonatal monitoring & observations • Danger signs in newborns • Respiratory problems: Asphyxia neonatorum, apnea, Respiratory Distress Syndrome (RDS), meconium aspiration syndrome, respiratory infections • Neonatal sepsis • Neonatal jaundice • Convulsions & neurological disorders • Metabolic disorders • Necrotizing Enterocolitis (NEC) • HIV: transmission & Anti-Retroviral (ARV) Therapy • Emergency treatment of neonatal problems 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum discussion • Bed-side teaching • Discussion of case scenarios • Group presentations 	<ul style="list-style-type: none"> • Nursing clinic/rounds • Case presentation • Case discussion
V	22 (T) 3 (L)	Describe etiology, pathophysiology, clinical manifestations, diagnosis and management of various surgical disorders of neonates	Management of various surgical disorders of neonates <ul style="list-style-type: none"> • Birth trauma • Congenital malformations: Identification & management • Pre & Post-operative nursing care of a neonate with various surgical procedures: <ul style="list-style-type: none"> - Cleft lip & palate - Esophageal atresia and Tracheo-esophageal fistula - Congenital hypertrophic pyloric stenosis - Hirschsprungs' disease - Imperforated anus - Recto vaginal fistula (RVF) - Spina bifida (Meningomyelocele) - Hydrocephalus - Exstrophy of bladder - Congenital heart disease 	<ul style="list-style-type: none"> • Lecture cum discussion • Seminar 	<ul style="list-style-type: none"> • Write a case study • Develop nursing standards on management of neonates undergoing surgery • Conduct Health Education session for the parents of neonates with congenital malformations
VI	3 (T) 2 (L)	Perform neonatal Resuscitation	Neonatal advance life support <ul style="list-style-type: none"> • Routine care • Initial steps • Bag & mask ventilation • Chest compression • Endotracheal intubation • Drugs 	<ul style="list-style-type: none"> • Workshop on Neonatal resuscitation • NRP module • Demonstration & Practice Session 	<ul style="list-style-type: none"> • मेडमदज बि पससे पूजी बीमबा सपेज

Unit	Time (Hours)	Learning Outcomes	Content	Teaching/Learning Activities	Assessment Methods
VII	14 (T) 6 (L)	Understand and demonstrate the skills in handling various equipment and conducting neonatal procedures	Neonatal procedures and handling special equipment <ul style="list-style-type: none"> • Neonatal procedures • Principles of drug therapy, administration of drugs, commonly used drugs • Principles of temperature maintenance & its clinical disorders • Collection of specimens • Assisting with procedures & therapies • Use & maintenance of equipment • Neonatal records • Neonatal monitoring • Admission & transfer of sick neonates 	<ul style="list-style-type: none"> • Demonstration • Skilled videos 	<ul style="list-style-type: none"> • Return demonstration • Complete procedural requirements • Conducting unit audit
VIII	3 (T)	Describe the impact of birth of a sick/ abnormal baby in the family	Impact of birth of a sick/ abnormal baby on the family <ul style="list-style-type: none"> • Reaction of parents to the admission of their baby to NICU • Grief process • Causes, effects & management of stress • The personal & social problems of the family 	<ul style="list-style-type: none"> • Discussion and demonstration 	<ul style="list-style-type: none"> • Critical thinking and decision making

PRACTICUM (Skill Lab and Clinical)

Total Hours: 1770 hours (40 + 1730)

(Skill Lab: 40 hours and Clinical: 1730 hours)

Practice Competencies:

At the end of the program students will be able to:

1. Assess gestational age as well as physical and behavioral status of neonates
2. Monitor and interpret vital signs
3. Measure weight, height as well as head and chest circumferences
4. Provide immediate and daily care for neonates
5. Apply the nursing process in caring for normal and sick neonates
6. Assists in administration of medications via different routes
7. Follow the universal infection control precautions
8. Encourage mothers to breast feed whenever possible
9. Maintain optimal nutrition for neonates either enteral or parenteral
10. Encourage and facilitate parent child bonding
11. Assess and manage neonatal pain
12. Record and report any detected abnormality
13. Prepare parents for discharge and home care
14. Provide health education concerning child care & follow up
15. Documents findings, nursing care & abnormalities

CLINICAL POSTINGS

Areas	Duration (week)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
Neonatal Intensive Care Unit	12 weeks	Provide nursing care for patients suffering from Neonatal disorders	Assessment of Neonates <ul style="list-style-type: none"> • Identification & assessment of risk factors • Gestation age assessment • Detection of life threatening congenital abnormalities • Admission & discharge of neonates • Monitoring of Neonates – clinically & with monitors <ul style="list-style-type: none"> - CRT (Capillary Refill Time) - assessment of jaundice - ECG • Setting of Ventilators • Phototherapy • Use of Radiant warmer and incubators • Centrifuge machine • Flux meter, Bilimeter, Refractometer • Laminar Flow • Procedures for prevention of infections: <ul style="list-style-type: none"> - Hand washing - disinfections & sterilization - surveillance - Fumigation 	<ul style="list-style-type: none"> • Neonatal assessment report • Case study report 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case study and NICU visit report
Neonatal Surgical Ward	10 weeks	Perform pre and post-operative care for neonates undergoing surgery Perform counselling of parents and family members	<ul style="list-style-type: none"> • Preparation of neonates for surgery • Perform postoperative care • Airway Management • Application of Oropharyngeal Airway • Oxygen therapy • CPAP (Continuous Positive Airway Pressure) • Care of Tracheostomy • Endotracheal Intubation • OG (Orogastric) tube insertion • Gavage feeding • Gastric lavage • Administration of Drugs: <ul style="list-style-type: none"> - I/M, - IV injection, - IV Cannulation & fixation - Infusion pump - Calculation of dosages 	<ul style="list-style-type: none"> • Health Talk 	<ul style="list-style-type: none"> • Clinical evaluation • Case study

Areas	Duration (week)	Clinical Learning Outcomes	Skills/Procedural Competencies	Assignments	Assessment Methods
			<ul style="list-style-type: none"> - Neonatal formulation of drugs - use of tuberculin/insulin syringes - Monitoring fluid therapy - Blood transfusion. • Collection of specimens. Parental Guidance and Counselling		
Labour Room (Newborn Care Corner)	04 weeks	Provide immediate care to newborn and perform Neonatal resuscitation to those in need	<ul style="list-style-type: none"> • Neonatal Resuscitation • Immediate Care of Newborn • APGAR Score • Weighing the baby • Administration of Vitamin K • KMC • Skin to skin contact • Breast feeding 	• Nursing Assessment	• Clinical Evaluation
Post-natal ward	04 weeks	Provide nursing care for neonates and mothers of neonates admitted in Post-natal ward	<ul style="list-style-type: none"> • Anthropometric assessment • Newborn examination • Feeding-management of <ul style="list-style-type: none"> - Breast feeding & Breast feeding counselling - artificial feeding - TPN • Thermoregulation • Axillary temperature • Management of thermoregulation & control • Diet planning • Counseling for parents 	• Health talk Case presentation	Clinical evaluation
KMC Ward/ Human Milk Bank	04 weeks	Prepare neonates and mothers/parents for KMC	<ul style="list-style-type: none"> • Kangaroo Mother Care (KMC) • Expression of breast milk • Health education to parents 	• Drug study • Health Talk	• Clinical Evaluation • Evaluation of health talk
OPD	04 weeks	Assist in examination of the neonates with various disorders Assist in diagnostic procedures	<ul style="list-style-type: none"> • History taking • Physical examination • Health education • Observing and assisting in <ul style="list-style-type: none"> - Echocardiogram - Ultrasound head • ROP screening (Retinopathy of prematurity) 	• Health assessment report – history taking and physical examination	• Clinical Evaluation

APPENDIX-1

SKILL LAB REQUIREMENTS

Note: In addition to the basic skill lab requirement of College of Nursing, the following are necessary.

S.No.	Skill Lab Requirement	No/s	Skill
1.	Newborn Mannequin having Squeeze bulbs for simulation of cord pulsation, spontaneous breathing, auscultation of heart sound and cry	02	Essential New Born Care
2.	External umbilical cords	04	
3.	Umbilical ties	06	
4.	Baby sheets or towels	04	
5.	Head cap	02	
6.	Neonatal mucus sucker (easy to open, clean, autoclavable and reusable)	02	
7.	Training Stethoscope	02	
8.	Normal New Born Baby Mannequin – of normal weight with moving head, flexible upper and lower limbs	02	Kangaroo Mother Care
9.	Baby cap, nappy, mittens, socks	02	
10.	Kangaroo Mother Care (KMC) dress/shawl	02	
11.	Bed sheet (for wrapping the mother and baby)	02	
12.	Digital Thermometer	10	Thermoregulation
13.	Radiant Warmer		
14.	Mattress	03	
15.	Skin temperature probe (with connection cable)	06	
16.	Spare heating element	03	
17.	Spare set of fuses	10	
18.	Power cord and fittings with at least 10 meters wire	01	
19.	Basic Nursing care articles	-	Basic and advance nursing care
20.	Advance Nursing care articles	-	
21.	Bowls with lid 10 cm	10	Instruments for various
22.	Bowls 10 cm	10	
23.	Instrument Tray with lid	10	
24.	Plain Artery Forceps	10	

S.No.	Skill Lab Requirement	No/s	Skill
25.	Toothed Artery Forceps	10	procedures
26.	Plain Dissecting Forceps	10	
27.	Toothed Dissecting Forceps	10	
28.	Sponge Holding Forceps	10	
29.	Towel clip	20	
30.	Stethoscope with neonatal chest piece	10	Monitoring Equipment in NICU
31.	Non-invasive BP monitors	5	
32.	Pulse oximeter	5	
33.	Room thermometers	5	
34.	Mechanical weighing scale	5	
35.	Electronic weighing scale	5	Resuscitation equipments
36.	Intubation head	5	
37.	Self-inflating bag with mask of preterm & term newborns	5	
38.	Foot operated suction apparatus/mucus trap	5	
39.	Oxygen cylinders	5	
40.	O ₂ concentrators	5	Umbilical venous catheterization
41.	Laryngoscope	5	
42.	Paediatric instrument set	5	Peripheral intravenous cannulation
43.	Umbilical catheters: Fg 5.0 > 1000 gram infant or Size Fg 5 feeding tube if umbilical catheters are not available	10 each	
44.	Intravenous cannula: size Fg 24	10	Drug and fluid administration
45.	Intra-osseous needle Fg 18	10	
46.	Skin preparation solution	2	
47.	Three way tap and extension tubing primed with 0.9% sodium chloride	5	
48.	Arm board	5	
49.	Syringes: 2 mL, 5 mL, 10 mL & 20 mL	10 each	
50.	Needles: Fg 19, Fg 21, Fg 23, Fg 25 and blunt drawing up needles	10 each	

S.No.	Skill Lab Requirement	No/s	Skill
51.	Adrenaline 1 : 10,000 concentration (0.1 mg/mL)	5	
52.	Volume expanders: 0.9% sodium chloride	5	
53.	I/V Cannula (24 G, 26 G)	5 each	
54.	BT Set	20	Blood Transfusion
55.	Normal Saline	20	
56.	Blood/Blood component simulator	20	
57.	Blood bag carriage/container	05	
58.	Intravenous cannula 16/18 F	30	
59.	IV simulator arm for transfusion	01	Infection Control
60.	Standard safety Protection Devices	20 Sets	
61.	Nutrition Lab for preparation of diet	01	
62.	Barrier Nursing Unit	01	
63.	Hand washing area	01	
64.	Biomedical waste disposal unit	01	Recording
65.	Records (Consent Form, Clinical charts, Nurses Note)	-	
66.	LCD TV	01	Video assisted Demonstration
67.	Health Teaching modules for parents	-	Health Teaching

APPENDIX-2

ASSESSMENT GUIDELINES (THEORY and PRACTICUM)

I. THEORY

A. INTERNAL ASSESSMENT

NEONATAL SPECIALTY NURSING (Part I: Neonatal Nursing I including Foundations and Part II: Neonatal Nursing II) – TOTAL: 25 marks

- Test Papers and Quiz: 10 marks
- Written assignments: 10 marks (Code of ethics relevant to Neonatal nursing practice, literature review on EBP in Neonatal nursing/Infection control practices, Nutritional care of neonates)
- Group project: 5 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAMS

NEONATAL SPECIALTY NURSING (Part I: Neonatal Nursing I including Foundations and Part II: Neonatal Nursing II) – TOTAL: 75 marks

Part I: 35 marks (Essay type $1 \times 15 = 15$ marks, Short answers $4 \times 4 = 16$ marks, Very short answers $2 \times 2 = 4$ marks) and Part II: 40 marks (Essay type $1 \times 15 = 15$ marks, Short answers $5 \times 4 = 20$ marks, Very short answers $5 \times 1 = 5$ marks)

II. PRACTICUM

A. INTERNAL ASSESSMENT – 75 marks

- OSCE: 25 marks (End of posting OSCE – 10 marks + Internal end of year OSCE – 15 marks)
- Other Practical: 50 marks
 - a) Practical assignments: 20 marks (Clinical presentation and Case study report – 5 marks, Counseling report/visit report – 5 marks, Drug study report – 5 marks, and Health talk – 5 marks)
 - b) Completion of procedural competencies and clinical requirements – 5 marks
 - c) Continuous clinical evaluation of clinical performance – 5 marks
 - d) Final Observed Practical Exam (Actual performance in clinicals) – 20 marks

B. EXTERNAL/FINAL EXAM: 150 marks

OSCE: 50 marks, Observed Practical: 100 marks

Detailed guidelines are given in Guidebook

APPENDIX-3

CLINICAL LOG BOOK

(Specific Procedural Competencies/Clinical Nursing Skills)

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date and Signature of the Faculty/ Preceptor
I	FOUNDATIONS TO NEONATAL SPECIALTY NURSING		
1	Preparation of parental education materials	P	
2	Education plan for teaching parents of neonates with clinical condition(s)	P	
3	Preparation of duty roster for nursing officers/staff nurses	P	
4	Writing literature review/systematic review (Identify evidence based nursing interventions/practices)	P	
5	Preparation of a manuscript for publication/paper presentation	P	
6	Group research project Topic:	P	
II	NEONATAL SPECIALTY NURSING		
1	HEALTH ASSESSMENT		
1.1	History taking	P	
1.2	Neonatal examination	P	
2	DIAGNOSTIC PROCEDURES		
2.1	Echocardiogram, Ultrasound head	O	
2.2	ROP screening (Retinopathy of prematurity)	A	
2.3	Advanced neonatal life support	A	
2.4	Lumbar Puncture	A	
2.5	Arterial Blood gas	A	
2.6	ECG Recording	A	

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date and Signature of the Faculty/ Preceptor
2.7	Arterial B P monitoring	A	
3	NEONATAL INTENSIVE CARE UNIT		
3.1	Gestation age assessment	P	
3.2	Detection of life threatening congenital abnormalities	P	
3.3	Assessment of jaundice	P	
3.4	Setting of Ventilators	P	
3.5	Use of Radiant warmer and incubators, Phototherapy	P	
3.6	Use of Laminar flow	P	
3.7	Procedures for prevention of infections: - Hand washing - disinfections & sterilization - surveillance - fumigation	P	
3.8	TPN	P	
4	NEONATAL SURGICAL WARD		
4.1	Oxygen therapy	P	
4.2	CPAP (Continuous Positive Airway Pressure)	P	
4.3	Care of Tracheostomy	P	
4.4	Endotracheal Intubation	A	
4.5	OG (Orogastric) tube insertion	P	
4.6	Gavage feeding	P	
4.7	Gastric Lavage	P	
4.8	Administration of Drugs through various routes	P	
4.9	IV Cannulation & fixation	P	
4.10	Infusion pump	P	
4.11	Calculation of dosages	P	
4.12	Blood transfusion	P	
4.13	Collection of specimens	P	
5	LABOUR ROOM (NEWBORN CARE CORNER)		
5.1	Neonatal Resuscitation	A	
5.2	Immediate Care of Newborn	P	
5.3	APGAR Scoring	P	
5.4	Weighing the baby	P	
5.5	Administration of Vitamin K	P	
5.6	KMC	P	
5.7	Skin to skin contact	P	
5.8	Breast feeding	P	
6	POST-NATAL WARD		
6.1	Anthropometric assessment	P	
6.2	Newborn examination	P	
6.3	Breast feeding & Breast-feeding counselling	P	

S.No.	Specific Competencies/Skills	Number Performed/ Assisted/Observed (P/A/O)	Date and Signature of the Faculty/ Preceptor
6.4	Artificial feeding	P	

*When the student is found competent to perform the skill, the faculty will sign it.

Students: Students are expected to perform the listed skills/competencies many times until they reach level 3 competency, after which the faculty signs against each competency.

Faculty: Must ensure that the signature is given for each competency only after they reach level 3.

- Level 3 Competency denotes that the student is able to perform that competency without supervision.
- Level 2 Competency denotes that the student is able to perform each competency with supervision.
- Level 1 Competency denotes that the student is not able to perform that competency/skill even with supervision.

APPENDIX 4

CLINICAL REQUIREMENTS

S.No.	Clinical Requirement	Date	Signature of the Faculty/Preceptor
1	Health Talk (OPD, Ward/KMC Ward)		
1.1	Topic:		
1.2	Topic:		
2	Counseling Parents & Relatives Counseling Report – 1		
3	Health Assessment		
3.1	Gestational Age Assessment History and Neonatal Examination (Two written reports) 3.1.1 Normal Newborn 3.1.2 Sick Newborn		
4	Journal Club/Clinical Seminar Topic:		
5	Case Study/Clinical Presentation and Report – Medical Neonatal Ward – 1 & Surgical Neonatal Ward – 1 (Nursing/Interdisciplinary Rounds)		
5.1	Name of clinical condition:		
5.2	Name of clinical condition:		
6	Drug Study, Presentation and Report (Two written reports for submission)		
6.1	Drug name:		
6.2			
6.3			
6.4			
7	Designing NICU/KMC Ward		
8	Visits – Reports		
	8.1 National/Regional SNCU 8.2. National/Regional Human Milk Bank		

Signature of the Program Coordinator/Faculty

Signature of the HOD/Principal

